मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 49
बुधवार, 26 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

घुसपैठियों और भगोड़े अपराधियों पर अब होगी डबल स्ट्राइक, अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को दिये सख्त निर्देश

नई दिल्ली, 25 अगस्त। भगोड़े अपराधियों को देश में वापस लाकर उन्हें न्याय के कठघरे में पहुँचाने तथा देश से घुसपैठियों को बाहर खदेड़ने के मोदी सरकार के अभियान को तेजी से आगे बढ़ा रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अब और सख्त निर्देश जारी कर दिये हैं। हम आपको बता दें कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर किसी भी तरह की ढिलाई को अस्वीकार्य बताते हुए अमित शाह ने सभी सुरक्षा और जांच एजेंसियों से घुसपैठ के खिलाफ कठोर कार्रवाई तेज करने को कहा है। साथ ही आतंकवाद, कट्टरपंथ, साइबर अपराध, नार्कोटिक्स और पाकिस्तान की छद्म युद्धनीति जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बेहतर एजेंसी समन्वय पर जोर दिया गया है। नई दिल्ली में आयोजित 9वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2026 का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निर्देश दिया कि मल्टी-एजेंसी सेंटर के प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सूचनाओं का अक आधारित विश्लेषण किया जाए और उससे उभरने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार किए जाएं। उनका संदेश साफ है कि देश की सुरक्षा अब केवल पारंपरिक खतरों से निपटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि तकनीक, खुफिया तंत्र और त्वरित कार्रवाई के जरिए दुश्मन की हर नई चाल का जवाब दिया जाएगा।

आतंकवाद और कट्टरपंथ के खिलाफ भी अमित शाह ने निर्णायक रणनीति पर जोर दिया।

उन्होंने गृह मंत्रालय की PRA-

HAAR योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण बढ़ाने, फरार अपराधियों को देश वापस लाकर मुकदमों में तेजी लाने और आवश्यकता पड़ने पर ट्रायल इन एब्सेंटिया यानी आरोपी की अनुपस्थिति में मुकदमे की कानूनी व्यवस्था के उपयोग को तेज करने के निर्देश दिए। गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के मामलों की जांच में भी अलग-अलग एजेंसियों के बजाय एक व्यापक और समन्वित दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया गया।

हम आपको बता दें कि दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई संवेदनशील मुद्दों पर मंथन हुआ। इनमें आतंकवाद विरोधी चुनौतियों से निपटने की रणनीति, MAC के जरिए खुफिया सूचनाओं का एकीकरण, विश्लेषण और ऑपरेशनल उपयोग, नशीले पदार्थों के खिलाफ विजन डॉक्यूमेंट, अवैध प्रवासियों की पहचान और निर्वासन, साइबर अपराध के खिलाफ नीति ढांचा तथा पाकिस्तान द्वारा छेड़े जा रहे प्रॉक्सी वॉर जैसे गंभीर विषय शामिल रहे। सम्मेलन में आतंकवाद, साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, नार्कोटिक्स नेटवर्क, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन ऐप्स से पैदा हो रही चुनौतियां, घुसपैठ और अवैध आव्रजन पर भी विस्तृत चर्चा की जा रही है। इसके साथ ही विमानन और बंदरगाह सुरक्षा तथा आतंकवादी और तस्करी गतिविधियों में शामिल भगोड़ों को वापस लाने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय को और मजबूत बनाने की रणनीति पर विचार किया गया।

हमारा धैर्य भविष्य की बड़ी जीत का रास्ता बनाएगा: जगन मोहन रेड्डी

अमरावती, 25 अगस्त। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और YSRCP अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि राज्य में गठबंधन सरकार के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर (anti-incumbency factor) बहुत तेज है। उन्होंने पार्टी से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में हर इंच जमीन के लिए लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, यहां हमारा धैर्य भविष्य की बड़ी जीत का रास्ता बनाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्थानीय चुनावों को गंभीरता से लिया जाएगा।

पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि गठबंधन के खिलाफ सभी वर्गों के लोगों का गुस्सा वोटों में बदलेगा और उन्हें पक्की जीत मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि चंद्रबाबू नायडू की सभी बुरी हरकतों का डटकर मुकाबला किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हालांकि यह स्पष्ट है कि दो वर्षों में गठबंधन हर मोर्चे पर विफल रहा है, लेकिन अगर चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से होते हैं तो हम आसानी से जीतेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर सीट पर मुकाबला हो, ताकि TDP को किसी भी तरह की हेरफेर का मौका न मिले।

उन्होंने कहा कि MLA पद के दावेदारों को अपने उम्मीदवारों के लिए मुकाबला सुनिश्चित करने और जीत दिलाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, हमें ऐसे मजबूत उम्मीदवार उतारने होंगे जो चुनाव जीत सकें और स्थानीय निकायों के चुनावों की घोषणा का पूरा लाभ उठा सकें। हम निर्विरोध चुनाव बर्दाश्त नहीं करेंगे, और MLA पद के दावेदारों को हमारे उम्मीदवार के लिए मुकाबला सुनिश्चित करने और जीत दिलाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, हर घर तक पहुंचना चाहिए, और धोखा देने वाली पार्टी और YSRCP के बीच का अंतर स्पष्ट रूप से बताना चाहिए और लोगों की आवाज बनना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि गांव के लेवल तक के कार्यकताओं को दफकोड वाले ID कार्ड बांटे जाएंगे। साथ ही, प्रचार और चुनाव से जुड़ी दूसरी चीजें भी बांटी जाएंगी। मंडल और डिवीजन लेवल के अलावा ज़िला और विधानसभा क्षेत्र के लेवल पर भी बैठकें होंगी।

उन्होंने आगे कहा कि गठबंधन के जुल्म, उत्पीड़न और दबाव डालने वाले तरीकों से निपटने के लिए लीगल सेल को एक्टिव रहना चाहिए, जबकि मीडिया और सोशल मीडिया को सरकार की जन-विरोधी नीतियों को उजागर करने में एक्टिव रहना चाहिए।

चीनी की कीमत बढ़ने पर शिवराज सिंह चौहान का संदेश: चिंता न करें, इंतजाम किए जा रहे हैं

नई दिल्ली, 25 अगस्त। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के रायसेन का एक दिन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, होनहार छात्रों को सम्मानित किया और केंद्र सरकार की योजनाओं के लागू होने की समीक्षा की। हालांकि, चीनी की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी पर चौहान की एक संक्षिप्त टिप्पणी उनके दौरे की मुख्य चचाओं में से एक बन गई।

ज़िला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक के बाद, जब चौहान वहां से निकल रहे थे, तो उनसे चीनी की बढ़ती कीमतों के बारे में पूछा गया। केंद्रीय मंत्री ने संक्षेप में जवाब देते हुए कहा, इंतजाम किए जा रहे हैं; चिंता न करें। सरकारी

गर्ल्स कॉलेज में मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण प्रतिभाशाली बेटियों की शिक्षा नहीं रुकनी चाहिए। कॉलेज में एक हेल्प डेस्क बनाई गई है ताकि छात्रों को अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप स्कीम के बारे में जानकारी मिल सके, जिसमें पात्रता की शर्तें, आवेदन प्रक्रिया और डॉक्यूमेंट अपलोड करने जैसी बातें शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने जिले भर के सरकारी कॉलेजों की छात्राओं से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत भी की और उनसे तय समय के भीतर अपनी स्कॉलरशिप का आवेदन पूरा करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान, 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों को लैपटॉप और प्रशंसा-पत्र देकर सम्मानित किया गया। बाद में चौहान ने रिबन काटकर कॉलेज में नई बनी कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया। उन्होंने सुविधा का निरीक्षण किया और छात्रों से बातचीत की। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत, केंद्रीय मंत्री ने कॉलेज परिसर में एक पौधा भी लगाया और लोगों से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आग्रह किया। इसके बाद चौहान रायसेन कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने ज़िला विकास समन्वय और निगरानी समिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

भारत ने श्रीलंका को बैकफुट पर धकेला, मेजबानों पर अब भी फॉलोऑन का खतरा बरकरार; स्कोर 265/8

कोलंबो, 25 अगस्त। भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के तीसरे दिन बारिश ने खेल में खलल डाल दिया। बारिश के कारण मंगलवार को समय से पहले स्टंप्स की घोषणा करनी पड़ी। दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका ने पहली पारी में 83.4 ओवर में 265 रन पर आठ विकेट गंवा दिए थे। श्रीलंका अभी भी भारत के पहली पारी के विशाल स्कोर से 238 रन पीछे है। भारत ने अपनी पहली पारी 503 रन पर नौ विकेट के नुकसान पर घोषित की थी। श्रीलंका को अभी भारत से फॉलोऑन बचाने के लिए 39 रनों की जरूरत है।

दिन की शुरूआत श्रीलंका ने 8 विकेट खोकर नहीं बल्कि 2 विकेट

पर 8 रन से की थी और भारत को उम्मीद थी कि वह जल्द ही मेजबान टीम को समेट देगा। प्रसिद्ध कृष्णा ने सुबह के सत्र में कामिल मिशारा को 19 रन पर आउट कर भारत को अच्छी शुरूआत दिलाई।

इसके बाद सूरियाबंदारा और कामिंदु मेंडिस ने करीब दो घंटे तक भारतीय गेंदबाजों को विकेट से दूर रखा। मेंडिस ने मानव सुथार की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से छक्का लगाकर अपने इरादे जाहिर किए। हालांकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक तेज और उछाल भरी गेंद पर मेंडिस को मिडविकेट पर जडेजा के हाथों कैच करा दिया। इस विकेट के बाद भारत ने फिर से मैच पर पकड़ मजबूत की।

मानव सुथार ने धनंजय डी सिल्वा को आउट कर भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। सुथार की गेंद पर डी सिल्वा ने स्लिप में केएल राहुल को कैच थमाया, जिसे राहुल ने दूसरे प्रयास में लपक लिया। इसके बाद जडेजा ने सूरियाबंदारा को आउट किया, जबकि सिराज ने डिकवेला का विकेट हासिल किया। एक समय श्रीलंका 216 रन पर सात विकेट गंवा चुका था और भारत को लगा कि पारी जल्द समाप्त हो जाएगी। लेकिन दिनूषा और निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

श्रीलंका के निचले क्रम के बल्लेबाजों के खिलाफ भारतीय गेंदबाजों की परेशानी एक बार फिर देखने को मिली। 216 रन पर सात विकेट गंवाने के बाद श्रीलंका ने दिन का खेल 265/8 के स्कोर पर खत्म किया। दिनूषा की 85 रन की नाबाद पारी ने श्रीलंका को फॉलोऑन के खतरे से काफी हद तक बाहर निकलने का मौका दिया है।

भारत को अब चौथे दिन जल्द से जल्द आखिरी दो विकेट हासिल करने होंगे, जबकि श्रीलंका की नजरें फॉलोऑन बचाने के साथ भारत की बढ़त को कम करने पर होंगी।

महिलाओं को हिजाब, घूंघट या कोई भी कपड़े पहनने का अधिकार है : पवन खेड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने मंगलवार को कहा कि हर महिला अपनी पसंद के कपड़े पहनने के लिए स्वतंत्र है और उसे हिजाब, घूंघट या कोई अन्य परिधान चुनने का पूरा अधिकार है। खेड़ा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सामाजिक-राजनीतिक दृष्टिकोण से कांग्रेस महिलाओं के निर्णय लेने के अधिकार के लिए मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा, "हिजाब इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा है या नहीं, यह धार्मिक विद्वानों को तय करना है।" खेड़ा ने कहा कि हर महिला को, चाहे वह किसी भी जाति, वर्ग या धर्म से हो, अपनी पसंद के अनुसार पहनावा चुनने का अधिकार है।

उनका यह बयान राहुल गांधी द्वारा पुणे में 'छात्रों की गूंज'

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं से बंदिशें तोड़ने का आह्वान किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। राहुल गांधी ने बीते शनिवार को कहा था कि महिलाओं का अपना अस्तित्व है और उनकी पहचान को उनके पिता, पति या बेटों के अधीन नहीं रखा जाना चाहिए।

उन्होंने मनुस्मृति के उस नियम को "शर्मनाक" बताया, जिसके अनुसार महिला को जीवन के हर चरण में पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहना चाहिए।

तुर्की का बड़ा गेम प्लान: पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश पर एर्दोगन की नजर, भारत की बढ़ सकती टेंशन

तुर्की, 25 अगस्त। दक्षिण एशिया में तुर्की की बढ़ती सक्रियता को लेकर भारत के लिए नई रणनीतिक चुनौती की चर्चा तेज हो गई है। पाकिस्तान के साथ अंकारा के गहरे रक्षा संबंधों के बाद अब बांग्लादेश के साथ उसके बढ़ते संपर्क और ढाका की संभावित सुरक्षा साझेदारियों ने क्षेत्रीय समीकरणों पर सवाल खड़े कर दिए

हैं।सेंटर फॉर जियोपॉलिटिक्स एंड स्ट्रैटजिक स्टडीज की फेलो डॉ. इंद्राणी तालुकदार ने अपने विश्लेषण में तुर्की-पाकिस्तान-सऊदी अरब-बांग्लादेश के संभावित रणनीतिक समीकरण को भारत के लिए चुनौतीपूर्ण बताया है। हालांकि, इसे सीधे तौर पर किसी औपचारिक सैन्य गठबंधन के रूप में पेश करना अभी जल्दबाजी होगी। बांग्लादेश लंबे समय से भारत, चीन और अमेरिका जैसी बड़ी शक्तियों के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखने की कोशिश करता रहा है।लेकिन देश में राजनीतिक बदलाव, आर्थिक दबाव और सुरक्षा साझेदारों में विविधता लाने की इच्छा के कारण ढाका अब नए विकल्पों पर भी नजर डाल रहा है। पाकिस्तान के साथ हाल के वर्षों में बढ़ते संपर्क इसी रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं। तुर्की के साथ रक्षा और सैन्य सहयोग बढ़ना भी इसी व्यापक बदलाव को दर्शा सकता है। सबसे ज्यादा चर्चा बांग्लादेश के ह्यमक्का फ्रेमवर्कह्न से संभावित जुड़ाव को लेकर है। हालांकि उपलब्ध जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश अभी इसका औपचारिक हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। इसलिए यह कहना कि ढाका पहले ही किसी तुर्की-पाकिस्तान-सऊदी सैन्य गठबंधन का हिस्सा बन चुका है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विकसित भारत की राह में जर्जर शिक्षा व्यवस्था सबसे बड़ा सवाल

-ललित गर्ग

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। एक शिक्षक, टूटती दीवारें और घटते सरकारी स्कूल-क्या शिक्षा के बिना 2047 का सपना पूरा होगा? दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में देश की प्रगति, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां, आधारभूत ढांचे का विस्तार और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव निश्चित रूप से गौरव का विषय हैं। लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के पीछे यदि हम सरकारी स्कूलों की ओर देखें तो एक दूसरा भारत दिखाई देता है-ऐसा भारत जहां हजारों बच्चे आज भी पर्याप्त शिक्षकों, सुरक्षित भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सवाल यह है कि जिस शिक्षा-व्यवस्था पर विकसित भारत की नींव रखी जानी है, उसकी बुनियाद ही कमजोर होगी तो 2047 का भारत कितना मजबूत होगा? सरकारी आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बनाते हैं। यूडीआईएसई प्लस 2024-25 के अनुसार देश में 1,04,125 स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक कार्यरत है और इन स्कूलों में करीब 33.77 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। यानी एक शिक्षक को कई कक्षाओं, अनेक विषयों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच बच्चों की शिक्षा संभालनी पड़ रही है। यह केवल संख्या नहीं, बल्कि उन लाखों बच्चों के भविष्य की कहानी है, जिनके लिए सरकारी स्कूल शिक्षा का सबसे सुलभ और कई बार एकमात्र माध्यम है।

विडंबना यह है कि एक उसी देश में हम विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम, मेडिकल संस्थानों और अत्याधुनिक शिक्षण परिसरों की चर्चा करते हैं, लेकिन गांव के उस बच्चे की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं देते जो टूटी छत के नीचे बैठकर भविष्य के सपने देख रहा है। कहीं शिक्षक एक है और कक्षाएं पांच। कहीं विद्यालय भवन जर्जर है, कहीं पानी नहीं, कहीं शौचालय नहीं, कहीं बिजली और पंखे नहीं। हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में विद्यार्थियों को अधिक शिक्षक, बेहतर भोजन, पेयजल, पंखे और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ा। फतेहपुर में तो लगभग एक हजार विद्यार्थियों ने जर्जर कक्षाओं, रिसती छतों और सुरक्षित पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए प्रदर्शन किया। यह स्थिति केवल किसी एक राज्य अथवा किसी एक सरकार की विफलता नहीं है। यह वर्षों से चली आ रही उस प्रशासनिक सोच का परिणाम है जिसमें शिक्षा को प्राथमिकता तो भाषणों में दी गई, लेकिन उसकी गुणवत्ता और जवाबदेही को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में स्थान नहीं मिला। शिक्षा विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों की बड़ी व्यवस्था है, बजट है, योजनाएं हैं, समितियां हैं, निरीक्षण तंत्र है-फिर भी एक शिक्षक वाले एक लाख से अधिक स्कूल कैसे बने रहे? यह सवाल केवल सरकार से नहीं, पूरे प्रशासनिक तंत्र से पूछा जाना चाहिए।

निश्चित रूप से तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक भी नहीं है। यूडीआईएसई प्लस के अनुसार 2024-25 में देश में कुल 14.71 लाख स्कूल, करीब 24.69 करोड़ विद्यार्थी और एक करोड़ से अधिक शिक्षक हैं। सरकारी स्कूलों की संख्या 10.13 लाख है, जबकि निजी मान्यता प्राप्त स्कूल करीब 3.40 लाख हैं। सरकार के आंकड़े यह भी बताते हैं कि एक-शिक्षक स्कूलों की संख्या 2023-24 के 1,10,971 से घटकर 2024-25 में 1,04,125 हुई है और कंप्यूटर सुविधा वाले स्कूलों का अनुपात 57.2 प्रतिशत से बढ़कर 64.7 प्रतिशत हुआ है। इन सुधारों को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन इन्हें अंतिम उपलब्धि मान लेना आत्मसंतोष होगा। क्योंकि शिक्षा की असली कसौटी भवन, कंप्यूटर या आंकड़े नहीं, बच्चे की सीखने की क्षमता और उसके भविष्य का निर्माण है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट एक और महत्वपूर्ण तस्वीर सामने रखती है। 2014-15 में देश में 11.07 लाख सरकारी स्कूल थे, जो 2024-25 में घटकर 10.13 लाख रह गए। इसके विपरीत निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों की संख्या 2.88 लाख से बढ़कर 3.39 लाख हो गई। यह परिवर्तन केवल स्कूलों की संख्या का उतार-चढ़ाव नहीं है, यह अभिभावकों की बदलती पसंद और सरकारी शिक्षा में घटते विश्वास का संकेत भी है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि जब सरकार के पास भवन है, जमीन है, प्रशिक्षित शिक्षक हैं, वेतन देने की क्षमता है और विशाल प्रशासनिक तंत्र है, तब सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से पीछे क्यों हैं? निजी स्कूलों की आलोचना करना आसान है, लेकिन यह भी देखना होगा कि अभिभावक अपनी सीमित आय में फीस देकर भी निजी स्कूल क्यों चुन रहे हैं। इसका उत्तर सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता, अनुशासन, नियमितता, अंग्रेजी एवं तकनीकी शिक्षा, अभिभावक संवाद और सीखने के वातावरण में छिपा है। एसीईआर के आंकड़े भी इस अंतर को रेखांकित करते हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में कक्षा 3 के बच्चों में कक्षा 2 स्तर का पाठ पढ़ पाने वालों का अनुपात सरकारी स्कूलों में 23.4 प्रतिशत था, जबकि निजी स्कूलों में 35.5 प्रतिशत। कक्षा 5 में भी सरकारी स्कूलों का आंकड़ा 44.8 प्रतिशत और निजी स्कूलों का 59.3 प्रतिशत रहा। यानी समस्या केवल स्कूल भवन की नहीं, सीखने के परिणामों की भी है।

इसी के समानांतर उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तस्वीर भी चिंता पैदा करती है। पेपर लीक, परीक्षा में अनियमितता, भर्ती में देरी और युवाओं के आंदोलनों की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। 2026 में परीक्षा संबंधी विवादों ने विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों में असंतोष को व्यापक बनाया। इसका अर्थ यह है कि समस्या शिक्षा-व्यवस्था के निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक फैली हुई है। प्राथमिक स्कूल में कमजोर नींव, माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता का संकट और उच्च शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता का सवाल-इन सबको अलग-अलग देखकर समाधान नहीं निकलेगा। सरकारी स्कूल वास्तव में भारत की सामाजिक समानता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन स्कूलों में ग्रामीण परिवारों, श्रमिकों, गरीबों, वंचित वर्गों और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चे बड़ी संख्या में पढ़ते हैं। यदि इन विद्यालयों की गुणवत्ता गिरती है तो सबसे अधिक नुकसान उसी वर्ग को होता है जिसके पास महंगे निजी स्कूलों का विकल्प नहीं है। इसलिए सरकारी स्कूलों की बदहाली केवल शिक्षा का संकट नहीं, सामाजिक न्याय का संकट भी है। यहां एक कठोर लेकिन सार्थक सुझाव पर विचार होना चाहिए-क्या जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के बच्चों के लिए कुछ निश्चित परिस्थितियों में सरकारी स्कूलों में शिक्षा को प्रोत्साहित अथवा अनिवार्य करने जैसी व्यवस्था बनाई जा सकती है? जब नीति बनाने वाले परिवार स्वयं उसी व्यवस्था का अनुभव करेंगे, तब शायद स्कूल की टूटी खिड़की, बंद शौचालय, शिक्षक की कमी और खराब मिड-डे-मील केवल फाइल की टिप्पणी नहीं रहेंगे, बल्कि व्यक्तिगत अनुभव बन जाएंगे। शिक्षा को केवल मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्ति, यूनिफॉर्म या मुफ्त पुस्तकों की योजनाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। ये आवश्यक हैं, लेकिन शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चे को स्कूल तक पहुंचाना नहीं, उसे ज्ञान, विवेक, कौशल, संस्कार और आत्मविश्वास से संपन्न नागरिक बनाना है। जिस बच्चे को आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलेगी, उससे कल विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी योगदान की अपेक्षा कैसे की जा सकती है?

सरकार को अब घोषणाओं से आगे बढ़कर राष्ट्रीय सरकारी स्कूल कायाकल्प मिशन जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक स्कूल के लिए शिक्षक उपलब्धता, भवन की सुरक्षा, पेयजल, बिजली, डिजिटल सुविधा, शौचालय, पुस्तकालय, खेल मैदान और सीखने के परिणामों के स्पष्ट मानक तय हों। हर स्कूल का सार्वजनिक डैशबोर्ड हो और हर वर्ष यह बताया जाए कि कितने बच्चे पढ़ना, लिखना और गणित करना सीख पाए। शिक्षक नियुक्ति में पारदर्शिता हो और राजनीतिक हस्तक्षेप पर कठोर अंकुश लगे। स्कूल प्रबंधन समितियों को वास्तविक अधिकार दिए जाएं तथा जिला स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। सबसे जरूरी है कि शिक्षा को राजनीति से ऊपर उठाया जाए। सरकार और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि सरकारी स्कूल किसी पार्टी के नहीं, भारत के भविष्य के स्कूल हैं। यदि किसी राजनीतिक दल को स्कूलों की बदहाली दिखाई देती है तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन मुद्दा राजनीतिक श्रेय का नहीं, बच्चों के भविष्य का होना चाहिए।

कूटनीति के नए मोड़ पर भारत-चीन संबंध

अशोक भाटिया

भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बीते कुछ वर्षों से जारी अभूतपूर्व सैन्य गतिरोध के बाद अब सीमा पर एक सापेक्षिक शांति दिखाई दे रही है। बीजिंग में आयोजित हुई विशेष प्रतिनिधियों की 25वें दौर की वार्ता ने दोनों देशों के कूटनीतिक गलियारों में एक नई सुगबुगाहट पैदा कर दी है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई इस उच्च स्तरीय मुलाकात को महज एक नियमित बैठक के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह वार्ता एक ऐसे नाजुक समय पर हो रही है, जब नई दिल्ली सितंबर 2026 में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी की तैयारियों में जुटी है, जहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आगमन की प्रबल संभावना है। इस पृष्ठभूमि में भारत का रुख अत्यंत स्पष्ट और सुदृढ़ रहा है कि जब तक सीमा पर पूर्ण शांति और 2020 से पहले की स्थिति बहाल नहीं होती, तब तक द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य पटरी पर नहीं लाया जा सकता। वर्तमान कूटनीतिक विमर्श का सबसे मुख्य बिंदु यह है कि अब समय केवल 'तनाव प्रबंधन' का नहीं है, बल्कि सीमा विवाद के 'स्थायी समाधान' की ओर ठोस कदम बढ़ाने का है।

बीजिंग वार्ता में दोनों पक्षों के कूटनीतिक दृष्टिकोण का एक बड़ा अंतर सतह पर आ गया है। चीनी पक्ष की रणनीति हमेशा से यह रही है कि वह विवाद को किश्तों में सुलझाए, जिसे कूटनीतिक भाषा में 'अर्ली हार्वेस्ट' या कम विवादित क्षेत्रों पर पहले समझौता करने की नीति कहा जाता है। चीन चाहता है कि जिन क्षेत्रों पर सहमति बन चुकी है, वहां पेट्रोलिंग फिर से शुरू कर दी जाए और बाकी के जटिल मुद्दों को भविष्य के लिए टाल दिया जाए। इस रणनीति के पीछे चीन का मुख्य उद्देश्य भारत के विशाल बाजार तक अपनी आर्थिक पहुंच को निर्बाध बनाए रखना है, जबकि सीमा पर वह अपनी रणनीतिक बढ़त को बरकरार रखना चाहता है। इसके विपरीत, भारत का दृष्टिकोण पूरी तरह से व्यापक और एकमुश्त समाधान का है। भारतीय नीति निमार्ताओं का मानना है कि पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश (पूर्वी सेक्टर) तक, पूरी एलएसी पर एक साथ और पारदर्शी तरीके से समाधान निकाला जाना चाहिए। भारत का स्पष्ट मानना है कि टुकड़ों में किए गए समझौते भविष्य में फिर से किसी नए संकट को जन्म दे सकते हैं, जैसा कि हमने 2020 में गलवान घाटी में देखा था। इसलिए, जब तक संपूर्ण सीमा रेखा का सीमांकन और स्पष्टीकरण नहीं होता, तब तक किसी भी अस्थायी शांति को टिकाऊ नहीं माना जा सकता।

2020 के गलवान संघर्ष ने भारतीय रक्षा और विदेश नीति को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। पिछले छह वर्षों में भारत ने चीन के प्रति अपनी पारंपरिक रक्षात्मक नीति को त्यागकर एक आक्रामक और निवारक रुख अपनाया है। आज एलएसी पर भारत की स्थिति पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत और तकनीकी रूप से उन्नत है। भारतीय सेना ने अग्रिम मोर्चों पर चौबीसों घंटे निगरानी के लिए अत्याधुनिक सैटेलाइट नेटवर्क, एआई-संचालित ड्रोन्स और थर्मल इमेजिंग प्रणालियों को तैनात किया है। इसके साथ ही, इन्फ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर सीमा सड़क संगठन ने

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

कमाल का काम किया है। दुर्गम से दुर्गम इलाकों में बारहमासी चालू रहने वाली सुरंगों, रणनीतिक पुलों और ऑल-वेदर रोड्स का जाल बिछाया जा चुका है, जिससे अब भारतीय सैनिकों और भारी हथियारों को चंद घंटों में एलएसी के किसी भी सेक्टर में स्थानांतरित किया जा सकता है। यह बुनियादी ढांचागत मजबूती ही है जो आज भारत को चीन के साथ बराबरी के स्तर पर बैठकर बातचीत करने की कूटनीतिक शक्ति प्रदान करती है। अब चीन के लिए भारत को डराकर या सैन्य दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाना मुमकिन नहीं रह गया है।

एक तरफ जहां चीन कूटनीतिक बैठकों में शांति और स्थिरता की दुहाई देता है, वहीं दूसरी तरफ एलएसी के पार तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में उसका सैन्य ढांचा लगातार मजबूत हो रहा है। उपग्रह से प्राप्त हालिया तस्वीरें और खुफिया रिपोर्टें इस बात की पुष्टि करती हैं कि चीन एलएसी के बेहद करीब नए सैन्य शिविर, हेलीपैड, मिसाइल ठिकाने और दोहरे उपयोग वाले 'श्याओकांग' (सीमावर्ती मॉडल गांव) बसा रहा है। चीन द्वारा किया जा रहा यह निरंतर निर्माण कार्य उसकी नीयत पर गंभीर सवाल खड़े करता है। चीन की यह दोहरी नीति–वार्ता की मेज पर सहयोग की बात करना और जमीन पर यथास्थिति बदलने का प्रयास करना–भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। यही कारण है कि भारतीय वातार्कार चीन के किसी भी खोखले आश्वासन पर भरोसा करने के मूड में नहीं हैं। भारत ने बीजिंग वार्ता में साफ कर दिया है कि जब तक चीन सीमा के पास अग्रिम मोर्चों से अपने भारी हथियारों, टैंकों और अतिरिक्त सैनिकों को पीछे नहीं हटाता, तब तक केवल पेट्रोलिंग अधिकारों की बहाली को पूर्ण समाधान नहीं माना जाएगा।

भारत-चीन संबंधों का सबसे पेचीदा पहलू यह है कि सीमा पर जारी गंभीर तनाव के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध लगातार बढ़ रहे हैं, जो भारत के लिए एक बड़ी आर्थिक चिंता का विषय है। वर्ष 2026 के शुरूआती छह महीनों के आंकड़े बताते हैं कि भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर लगभग 67.1 अरब डॉलर के चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। भारत आज भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों, जैसे फार्मास्युटिकल सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर ऊर्जा पैनल और भारी मशीनरी के लिए बड़े पैमाने पर चीनी आयात पर निर्भर है। सरकार द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' और 'प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' जैसी योजनाएं शुरू करने के बावजूद, चीनी सामानों पर निर्भरता को रातों-रात कम करना संभव नहीं हो सका है। कूटनीतिक वाताओं में भारत इस आर्थिक असंतुलन को भी एक बड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। भारत ने चीन को यह संदेश दे दिया है कि यदि वह सीमा पर ईमानदारी से समाधान नहीं खोजता, तो भारत में चीनी निवेश और कंपनियों के लिए कारोबारी माहौल सख्त बना रहेगा, जो मंदी से जूझ रही चीनी अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है।

सितंबर 2026 में नई दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत के लिए अपनी वैश्विक कूटनीतिक क्षमता का प्रदर्शन करने का एक बड़ा मंच है। इस सम्मेलन में शी जिनपिंग की संभावित उपस्थिति ने दोनों देशों पर सीमा विवाद को किसी तार्किक परिणति तक पहुंचाने का दबाव बढ़ा दिया है। भारत इस वैश्विक मंच का उपयोग अपनी शर्तों पर शांति स्थापित करने के लिए करना चाहता है, न कि किसी कूटनीतिक समझौते के दबाव में आकर। इतिहास गवाह है कि चीन केवल उसी शक्ति का सम्मान करता है जो सैन्य और आर्थिक रूप से उसके समकक्ष खड़ी हो सके। इसलिए, भारत को अपनी त्रि-आयामी रणनीति पर कायम रहना होगाः पहला, एलएसी पर सैन्य और तकनीकी सतर्कता में कोई कमी न आने देना; दूसरा, वैश्विक साझेदारों जैसे क्वाड देशों के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाना; और तीसरा, देश के भीतर आर्थिक आत्मनिर्भरता को और तेज करना।

अंततः, भारत और चीन के बीच संबंधों का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि बीजिंग इस विशेष प्रतिनिधि वार्ता के नतीजों को जमीन पर किस तरह लागू करता है। अब वह दौर बीत चुका है जब केवल संधियों और बयानों से सीमा पर शांति की उम्मीद की जा सकती थी। भारत को चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' (धीरे-धीरे जमीन हड़पने की नीति) के प्रति निरंतर सतर्क रहना होगा। एशिया और पूरी दुनिया की स्थिरता के लिए इन दो महाशक्तियों के बीच शांति आवश्यक है, लेकिन यह शांति भारत की क्षेत्रीय संप्रभुता और राष्ट्रीय सम्मान की कीमत पर कभी नहीं हो सकती। अब प्रबंधन के ढुलमुल रवैये को छोड़कर, दोनों देशों की सीमाओं का स्पष्ट निर्धारण करने और एक स्थायी, सर्वमान्य और बाध्यकारी समाधान खोजने की बारी है। नई दिल्ली को अपनी कूटनीतिक दृढ़ता और सैन्य तत्परता के इसी संतुलन को बनाए रखना होगा, क्योंकि चीन के साथ शांति का रास्ता केवल और केवल आंतरिक शक्ति और सतर्कता से होकर ही गुजरता है।

शिलास्मारक के शिल्पी समन्वय ऋषि एकनाथ रानडे

भारतमाता के चरण में तीनों सागरों के मध्य स्थित श्रीपाद शिला पर मुझे अपने जीवन की योजना प्राप्त हुई: स्वामी विवेकानंद

परिव्राजक अवस्था में पूरे भारत का परिभ्रमण करने के बाद स्वामी विवेकानंद कन्याकुमारी में माँ कन्याकुमारी की तपस्या से पावन उनके पदचिह्न से मंडित श्रीपाद शिला पर तीन दिन-तीन रात ध्यानस्थ रहे। जैसे माता पार्वती को कन्याकुमारी अवतार में अपने जीवन का लक्ष्य उस शिला पर प्राप्त हुआ उसी प्रकार स्वामीजी को भी आगामी जीवन की कार्ययोजना उसी स्थान पर स्पष्ट हुई। स्वामीजी की जन्मशताब्दी की पूर्वतैयारी के समय शिला पर स्वामीजी की मूर्ति बनाने का संकल्प स्थानीय प्रबुद्धजनों के मन में आया। शीघ्र ही यह विषय विवादित हो गया। स्थानीय मछुआरों में से कुछ ईसाई मिशनरियों ने प्रखर विरोध प्रारंभ किया। कुछ उत्पाती समाजद्रोहियों ने शिला को सैंट थॉमस के साथ जोड़कर वहाँ क्रॉस लगाने का प्रयास किया। ऐसे समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह रहे एकनाथ रानडे जी को इस कार्य का दायित्व दिया गया।

एकनाथ का स्वभाव ही समन्वय का था। मध्य भारत में प्रचारक का कार्य करते हुए भी उनका संपर्क समाज के सभी वर्गों से था। जबलपुर में हुए कांग्रेस अधिवेशन के समय जब कोई प्रवासी अधिकारी कार्यालय पहुँचे तो पता चला एकनाथ अधिवेशन स्थल पर ही संपर्क कर रहे हैं। कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) में पूर्व क्षेत्र का कार्य करते समय उनका घनिष्ठ परिचय एक ओर जहाँ रामकृष्ण मिशन के संन्यासियों से था वैसे ही ज्योति बसु सहित अनेक वामपंथी नेताओं से भी था। आसाम में भी समाज के सभी वर्गों सहित स्वयं को विरोधी कहलानेवाले प्रभावी लोगों के साथ सहज संबंध, संवाद और सहयोग करने का अनुभव एकनाथ जी के पास था। संघ पर प्रथम प्रतिबंध के समय संविधान निर्माण की प्रक्रिया में प. पू. गुरुजी, चेन्नई के विधिवेत्ता और केंद्र सरकार (मुख्यतः गृह मंत्री सरदार पटेल) से सतत संपर्क का काम भी एकनाथ जी ने सहजता से किया। एकनाथ जी के संग सरदार पटेल से कुछ अवसर पर मिलने गए कार्यकर्ता सुजीत धर ने एक घटना का वर्णन लिखा है। गृह मंत्री एकनाथ से इतने प्रभावित थे कि अपने सहयोगी से कहते सुने गए – लोग मुझे लौह पुरुष कहते हैं पर ये तो साक्षात फौलाद हैं। वैचारिक मतभेद होने पर भी अपने व्यवहार से सबको अपना बनाना एकनाथ की विशेषता थी। विचारों के स्तर पर कोई भी समझौता किए बिना सहमति बनाने की कुशलता को ही सरदार पटेल इस्पात मान रहे हैं।

मुकुल कानिटकर

शिलास्मारक के निर्माण की पूरी गाथा ही एकनाथ जी के समन्वय कौशल की कथा है। शिला पर किसी भी निर्माण की अनुमति में सबसे पहली बाधा थे तत्कालीन केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री हुमायूँ कबीर। उनका निर्वाचन क्षेत्र कोलकाता में था। एकनाथ जी ने वहाँ प्रेस वार्ता द्वारा वातावरण बनाया कि बंगाल के सपूत विवेकानंद का स्मारक तमिलनाडु के कन्याकुमारी में बन रहा है और अनुमति की कुंजी है आपके सांसद के हाथ। इस प्रश्न के समाधान में एकनाथ जी दोष देने के स्थान पर ज़िम्मेवारी का दबाव डालने की रणनीति अपनाते हैं। इस समाचार के पर्याप्त प्रसारण के बाद वे संस्कृति मंत्री से मिलते हैं। अब उनकी कोई आपत्ति नहीं है। केवल प्रधानमंत्री नेहरू की सहमति अनिवार्य है। नागपुर के सांसद बापूजी अणे के साथ लाल बहादुर शास्त्री के माध्यम से नेहरू जी तक पहुँचने का नियोजन हुआ। शास्त्री ने कहा कुछ सांसदों का ज्ञापन हो तो लोकतांत्रिक दबाव प्रधानमंत्री को विवश करेगा। उनके मन में था 10-20 सांसदों के हस्ताक्षर ले लिए जाए। एकनाथ जी ने ज्ञापन बनाकर संसद के परिसर में सभी दलों के प्रभावी नेताओं से भेंट की। उनका संवाद कौशल ही था कि विभिन्न विपरीत विचारधाराओं के 323 सांसदों ने कन्याकुमारी में स्वामीजी के स्मारक हेतु ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उस समय जनसंघ के तो 4 ही सांसद थे। कांग्रेस, स्वतंत्र दल, समाजवादी के साथ हो साम्यवादी दलों के सांसदों ने भी हस्ताक्षर किए। ऐसा बहु राजनैतिक एकमत युद्ध के सिवा किसी एक विषय पर विरला ही है। एकनाथ जी का जनसंपर्क और निर्मल संवाद ही इस चमत्कार के मूल में है। कन्याकुमारी के विवेकानंदपुरम् स्थित गंगोत्री प्रदर्शनी में यह ज्ञापन सभी हस्ताक्षरों के साथ देखा जा सकता है। शास्त्री जी ने हस्ताक्षरों को कई बार ध्यान से परखा और उनकी सत्यता को देख अचंभित हो गए। उन्होंने कहा अब नेहरू को मनाना मेरा काम है। इतने सांसदों का अनुमोदन देखकर प्रधानमंत्री ने लोकसभा में ही घोषणा कर दी कि कन्याकुमारी की विवेकानंद शिला पर स्वामीजी का भव्य स्मारक बनाया जाएगा। इस सहमति में लोकतंत्र के आधार संख्याबल का प्रभाव काम आया।

तमिलनाडु में पूर्व में धमार्दा मंत्री रहते हुए शिला पर किसी भी प्रकार के निर्माण का प्रगट घोर विरोध कर चुके भक्तवत्सलम जी अब मुख्यमंत्री बन चुके थे। एकनाथ जी ने उनसे कई बार भेंट की। स्पष्ट नकार से धीरे-धीरे उन्हें स्मारक के पक्ष में ले आए। 15 फीट लंबे और उतने ही चौड़े मंदिर में छोटी सी मूर्ति के लिए मुख्यमंत्री सहमत हुए। एकनाथ जी ने संवाद को खुला रखते हुए कहा कि मंदिर का आकार, स्थापत्य आदि तो विशेषज्ञों के विषय हैं। मैं अब आपकी स्मारक हेतु अनुमति मानते हुए आपके नेतृत्व में ही इस कार्य को आगे बढ़ाता हूँ। कुछ कल्पनाचित्र (Design)बनाकर फिर आपसे मिलता हूँ। आप जिसे अंतिम करेंगे उसी के अनुसार निर्माण होगा। अनेक ख्यातनाम स्थापत्यविदों से रेखाचित्र बनवाये गये। रामकृष्ण मठ के अध्यक्ष महाराज स्वामी माधवानंद और सरसंघचालक श्री गुरुजी द्वारा अनुमोदित चित्र पर भक्तवत्सलम के गुरु कांची परमाचार्य चन्द्रशेखरानंद सरस्वती जी का हस्ताक्षर प्राप्त किया। तीन चित्र मुख्यमंत्री के सम्मुख रखे जिसमें से एक 125 वर्ग फीट का भी था जिस पर अनुमति प्राप्त करनी थी। उसे अंत में दिखाते हुए परमाचार्य के अनुमोदन का विषय सहज उच्चरित किया। अपने गुरु के हस्ताक्षर से अभिभूत भक्तवत्सलम ने उसी मानचित्र को अंतिम कर दिया। एकनाथ जी ने धीरे से कहा पर यह तो आपके द्वारा गत बैठक में दी मयार्दा 15X15 से कई गुना बड़ा है। मुख्यमंत्री को कहना पड़ा कि कोई बात नहीं, यही बनेगा। यहाँ आध्यात्मिक प्रभाव का सदुपयोग अंतःस्थल से मित्रता द्वारा सहमति के लिए किया गया। भक्तवत्सलम द्वारा एकनाथ जी को दी श्रद्धांजलि में भी विचार भिन्नता के होते हुए मित्रता का उल्लेख मिलता है।

शिलास्मारक के निर्माण हेतु एक रुपये के कूपन द्वारा 35 लाख परिवारों से 84 लाख रुपये का एकत्रीकरण पूरे राष्ट्र के भावात्मक सहभाग का अनुपम उदाहरण है। सभी राज्य सरकारों द्वारा योगदान प्राप्त किया गया। ज्योति बसु की पत्नी श्रीमती कमला बसु विवेकानंद शिलास्मारक निधि संकलन समिति बंगाल की संरक्षक बनी। घोर साम्यवादी और संघ के प्रखर विरोधी नंबूद्रीपाद केरल के मुख्यमंत्री थे। उन्हें स्वामीजी की दरिद्र देवो भव का संदेश देती पुस्तकें पढ़वाकर सहमत किया। नागालैंड और जम्मू कश्मीर सहित पूरे देश के योगदान से शिलास्मारक का निर्माण हुआ है।

शत्रुता की सीमा तक कटुतापूर्ण विरोध के राजनीतिक और सामाजिक वातावरण में विवेकानंद शिलास्मारक समन्वय का अभूतपूर्व उदाहरण है। इस स्मारक के निमार्ता थे समन्वय ऋषि एकनाथ रानडे।

चुनावी आहट के बीच राहुल की फिर से लॉन्चिंग

15 अगस्त को अधूरा वंदे मातरम गाकर फजीहत झेलने वाला गांधी परिवार और कांग्रेस के दिग्गज नेता अब अपने और खासकर राहुल गांधी के वंदेमातरम के अपमान का बचाव करने के लिये तरह-तरह के स्वांग रचा रहे हैं। अधूरा वंदे मातरम गायन की फजीहत पर पर्दा डालने के लिये सबसे पहले राहुल गांधी संसद मार्ग पहुंच कर धरने पर बैठ गये। वह वहां पैलेट गन से घायल एक युवक की रिपोर्ट लिखाने गये थे, जिसकी जांच पहले ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश से चल रही है। अभी तक तो यह भी पता नहीं चला है कि जंतर मंतर पर पैलेट गन चली भी थी या नहीं। पैलेट गन चलने का न कोई वीडियो सामने आया है न ही कोई गवाह। राहुल ने संसद मार्ग थाने पर लगभग चार-पांच घंटे तक धरना प्रदर्शन किया, मजबूरन पुलिस को अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट लिखना पड़ गई। क्योंकि पुलिस ज्यादा बखेड़ा खड़ा नहीं करना चाहती थी।

यह सिलसिला थमा ही था कि राहुल गांधी पुणे पहुंच गये जहां उनके लिये छात्रों की गूंज नाम से इवेंट रखा गया था। नाम तो छात्रों का था लेकिन यहां मोदी को गाली देने वाली एक कथित लोकगायिका मंच पर झंडा लहराते हुए मोदी को कोस रही थी। कोई लड़की राहुल को किस कर रही थी। राहुल ने यहां ऐसा कुछ नहीं कहा जिसे छात्रों की गूंज कहा जा सके। बल्कि वह वहां एक बुर्का और हिजाब पहने एक लड़की के सामने मनुस्मृति पर ज्ञान देने लगे कि मनुस्मृति में महिलाओं के लिये कितना उलटा सीधा बोला गया है, उन्हें आजादी नहीं दी गई है, जबकि वहां बुर्के और हिजाब में खड़ी लड़की के लिये एक शब्द नहीं निकला। वह न इस्लाम की कुरीतियों के बारे में कुछ बोल पाये न ही बाइबिल में महिलाओं के बारे में क्या कहा गया है इस पर उनका मुंह खुला। सबसे बड़ी बात यह थी कि राहुल की रिलॉन्चिंग करते समय भीड़ का इम्पैक्ट दिखाने के लिये इवेंट मैनेजरों ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के दौरान का एक वीडियो को राहुल के कार्यक्रम में जुटी भीड़ बताकर प्रमोट कर दिया गया। वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। राहुल गांधी को आगे बढ़ाने और मोदी के समकक्ष दिखाने के लिये अक्सर कांग्रेसी ऐसे पराक्रम करते रहते हैं।

-अजय कुमार

कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी जिस तरह के पराक्रम कर रहे हैं उससे लगता है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक विश्वसनीयता और वैचारिक शुचिता का संकट बन चुकी है, खासकर राष्ट्रीय पर्वों और प्रतीकों के प्रति उनकी कथित उदासीनता के बाद जिस प्रकार के राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं। जब स्वतंत्रता दिवस जैसे पावन अवसर पर राष्ट्रीय गान या राष्ट्रगीत के गायन में त्रुटियां सामने आती हैं और उसकी तीखी आलोचना शुरू होती है, तो उससे ध्यान भटकाने के लिए पार्टी द्वारा एक के बाद एक ऐसे राजनीतिक ड्रामे रचे जाते हैं जो जमीनी हकीकत से कोसों दूर और केवल मीडिया की सुर्खियों में बने रहने की रणनीति का हिस्सा प्रतीत होते हैं। संसद मार्ग थाने पर राहुल गांधी का लंबा धरना और उस मामले में पुलिस पर दबाव बनाकर रिपोर्ट दर्ज कराना, जिसकी विधिवत जांच पहले ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत चल रही हो, केवल प्रशासनिक व्यवस्था को असहज करने और एक कृत्रिम नैरेटिव गढ़ने का प्रयास ही कहा जा सकता है। इस तरह के आयोजनों से यह साफ झलकता है कि कांग्रेस नेतृत्व गंभीर मुद्दों पर वैचारिक स्पष्टता रखने के बजाय तात्कालिक लाभ और सिम्पथी गेन करने की राजनीति में उलझ गया है, जिसके कारण जनता के बीच उनकी छवि एक जिम्मेदार राष्ट्रीय विकल्प के रूप में उभरने के बजाय केवल विरोध की राजनीति करने वाले दल के रूप में सिमट कर रह गई है।

इसी कड़ी में पुणे का वह तथाकथित छात्रों की गूंज कार्यक्रम भी कांग्रेस की दिशाहीन कार्यशैली और इवेंट मैनेजमेंट की राजनीति का एक जीवंत उदाहरण बन गया, जहां छात्रों के मुद्दों पर बात करने के बजाय मंच का इस्तेमाल राजनीतिक एजेंडे और लक्षित बयानों के लिए किया गया। एक तरफ जहां आयोजनों की भव्यता और भीड़ का झूठा प्रभाव दिखाने के लिए पुरानी या विदेशी फुटेज का सहारा लिया जाता है, वहीं दूसरी तरफ भाषणों और वैचारिक बहसों में भी एकतरफा रुख अपनाया जाता है, जिससे आम जनता के बीच नेतृत्व की परिपक्वता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। यह विडंबना ही है कि जब राहुल गांधी जैसे नेता देश के पारंपरिक ग्रंथों और सामाजिक व्यवस्थाओं पर मुखर होकर व्याख्या करते हैं, तब वे समाज के एक वर्ग विशेष से जुड़ी कुरीतियों या संवेदनशील धार्मिक पहलुओं पर चुप्पी साध लेते हैं, जिससे उनकी कथनी और करनी में दोहराव का संदेश जाता है। इस तरह की चयनात्मक मुखरता और वैचारिक विरोधाभास के कारण ही पार्टी का केंद्रीय संदेश आम जनमानस तक सकारात्मक रूप में नहीं पहुंच पाता है, और पार्टी के रणनीतिकार हर बार सुधार के दावे करने के बावजूद उन्हीं पुरानी रणनीतियों पर लौट आते हैं जो बार-बार विफल साबित हो चुकी हैं।

2004 से लेकर आज तक राहुल गांधी का राजनीतिक सफर क्यों अधिकांश मोर्चों पर संघर्षरत और चुनावी लिहाज से कमजोर रहा है, तो इसके पीछे कई आंतरिक और बाह्य कारण स्पष्ट रूप से नजर आते हैं। सबसे बड़ा कारण उनकी राजनीतिक निरंतरता और पूर्णकालिक समर्पण का अभाव रहा है, जिसे अक्सर राजनीतिक विश्लेषक एक अनिच्छुक नेता की छवि के रूप में देखते हैं। इसके विपरीत, उनके मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने लगातार धरातल पर मजबूत वैचारिक पकड़, कैडर-आधारित संगठन और जमीनी स्तर पर जनसंपर्क का ऐसा चक्रव्यूह तैयार किया, जिसके सामने कांग्रेस का हाइब्रिड और वंशवादी मॉडल टिक नहीं सका। वर्ष 2004 में जब कांग्रेस ने सत्ता में वापसी की थी, तब पार्टी के पास एक सामूहिक नेतृत्व और मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रपों की एक लंबी फौज थी, लेकिन धीरे-धीरे पार्टी हाईकमान ने आंतरिक लोकतंत्र को कमजोर करते हुए सारे निर्णय परिवार केंद्रित कर दिए, जिससे राज्यों में मजबूत नेतृत्व उभरने की गुंजाइश खत्म होती चली गई। जब भी चुनाव आते हैं, राहुल गांधी आक्रामक तेवर तो दिखाते हैं, लेकिन उनका वह तेवर किसी दीर्घकालिक वैचारिक और संगठनात्मक ढांचे में ढलने के बजाय मौसमी और तुरंत लाभ उठाने वाला साबित होता है।

संगठन के स्तर पर दीमक की तरह लगी गुटबाजी और जमीनी कार्यकताओं से कटाव ने कांग्रेस की जड़ों को खोखला कर दिया है। चुनावों के समय केवल शीर्ष स्तर पर रैलियां कर देने या सोशल मीडिया पर बड़े इवेंट आयोजित कर लेने से चुनावी वैतरणी पार नहीं की जा सकती, क्योंकि इसके लिए बूथ स्तर पर मजबूत संगठन और जनता के साथ अटूट विश्वास की जरूरत होती है जो कांग्रेस के पास पिछले दो दशकों से नदारद है। इसके अलावा, जनता से जुड़े जमीनी मुद्दों को उठाने में निरंतरता का अभाव और हर बात पर केवल केंद्र सरकार के विरोध को ही अपनी एकमात्र राजनीति मान लेना भी कांग्रेस के पतन का एक बड़ा कारण रहा है। जब-जब पार्टी को आत्ममंथन करने और अपनी वैचारिक दिशा तय करने का अवसर मिला, तब-तब नेतृत्व ने जमीनी हकीकत को स्वीकार करने के बजाय इवेंट मैनेजमेंट और पीआर एजेंसियों के सहारे अपनी छवि चमकाने का शॉर्टकट चुना।

टोरेंट पॉवर कर्मियों ने वृद्धाश्रम में मनाया स्नेह का रक्षाबंधन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। सामाजिक सरोकार और आपसी स्नेह की भावना को बढ़ावा देते हुए टोरेंट पॉवर कंपनी के कर्मचारियों ने पडघा स्थित मातोश्री वृद्धाश्रम में ज्येष्ठ नागरिकों के साथ रक्षाबंधन का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर कर्मचारियों ने वृद्धजनों के साथ समय बिताकर उनके चेहरे पर खुशी लाने का प्रयास किया। टोरेंट पॉवर की टीम ने आनगांव स्थित वनप्रस्थ वृद्धाश्रम और ठाणे के उपवन वृद्धाश्रम में भी पहुंचकर बुजुर्गों के साथ रक्षाबंधन मनाया। कर्मचारियों ने ज्येष्ठ नागरिकों से संवाद कर उनकी पुरानी यादों को साझा किया तथा मिठाई वितरित की। इस दौरान कई बुजुर्ग कर्मचारियों के साथ नृत्य कर खुशी जताते नजर आए।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पारंपरिक रक्षाबंधन समारोह रहा। महिला कर्मचारियों ने वृद्धाश्रम के बुजुर्ग पुरुषों की कलाई पर राखी बांधी, वहीं ज्येष्ठ महिलाओं ने पुरुष कर्मचारियों को राखी बांधकर स्नेह, सम्मान और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। भावुक माहौल में बुजुर्गों ने कर्मचारियों को आशीर्वाद दिया। टोरेंट पॉवर के जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदानिया ने कहा कि कंपनी केवल व्यावसायिक जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को भी महत्व देती है। त्योहार समाज के हर वर्ग के साथ खुशियां बांटने का माध्यम हैं। कर्मचारियों ने इस आयोजन के जरिए बुजुर्गों को अपनापन, प्रेम और परिवार जैसा माहौल देने का प्रयास किया।

अनधिकृत निर्माण को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता मनोज गिरी आक्रामक, आमरण अनशन की चेतावनी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। केडीएमसी के दावड़ी 10-ई प्रभाग क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। बार-बार शिकायत और प्रशासन से लगातार पत्राचार के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से सामाजिक कार्यकर्ता मनोज गिरी आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने प्रशासन की निष्क्रियता के विरोध में संवैधानिक तरीके से आमरण अनशन करने की चेतावनी दी है। मनोज गिरी का आरोप है कि क्षेत्र में चॉल माफिया और भूमाफिया द्वारा अनधिकृत रूप से घरों का निर्माण किया जाता है और बाद में वे वहां से निकल जाते हैं। इसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है। इससे नागरिकों के साथ-साथ सरकार के साथ भी आर्थिक धोखाधड़ी होने का आरोप उन्होंने लगाया है। गिरी ने कहा कि अनधिकृत निर्माण के संबंध में संबंधित प्रशासनिक विभाग को बार-बार लिखित शिकायतें देकर कार्रवाई की मांग की जा रही है, लेकिन उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। उनका आरोप है कि कई मामलों में कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह जाती है और जमीन पर अनधिकृत निर्माण बदस्तूर जारी रहता है। प्रशासन की कथित निष्क्रियता के खिलाफ अब मनोज गिरी ने आंदोलन का रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वे संवैधानिक तरीके से आमरण अनशन करेंगे। अब प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

मेमोरी महँगी होने से बढ़ सकती हैं गैलेक्सी Z सीरीज की कीमतें

मुंबई। सैमसंग के फ्लैगशिप फोल्डेबल स्मार्टफोन्स—Galaxy Z Fold8 Ultra, Galaxy Z Fold8 और Galaxy Z Flip8—की कीमतें भारत में जल्द बढ़ सकती हैं। देश के प्रमुख रिटेलर्स और टेक एनालिस्ट्स के अनुसार, वैश्विक स्तर पर मेमोरी चिप्स की बढ़ती लागत और अभूतपूर्व मांग के कारण स्मार्टफोन बाजार पर दबाव बढ़ रहा है, जिसका सीधा असर इन डिवाइसेज की खुदरा कीमतों पर पड़ सकता है। 1.25 लाख रुपये से 2.6 लाख रुपये की रेंज में आने वाले ये प्रीमियम स्मार्टफोन्स अत्याधुनिक Galaxy AI और हिंज डिजाइन, डिस्प्ले, मजबूती व परफॉर्मेंस के मामले में अब तक का सबसे बेहतरीन अनुभव प्रदान करते हैं। अनफोल्ड होने पर महज 4.1 मिमी मोटाई के साथ Galaxy Z Fold8 Ultra सैमसंग का अब तक का सबसे पतला Fold डिवाइस है, वहीं 201 ग्राम वजन के साथ Galaxy Z Fold8 कंपनी का अब तक का सबसे हल्का फोल्डेबल फोन है।

सैमसंग इंडिया के अनुसार, इन डिवाइसेज को भारत में अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला है और लॉन्च के महज 72 घंटों के भीतर करीब 2.71 लाख ग्राहकों ने इनके लिए प्री-ऑर्डर दर्ज कराए। इस महीने की शुरूआत में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई, लेकिन स्मार्टफोन के बेहद अहम घटक–मेमोरी चिप्स–की बढ़ती लागत के चलते रिटेलर्स को डर है कि जल्द ही इनकी कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, सैमसंग ने पिछले महीने कहा था कि वह ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए बढ़ी हुई लागत का बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रहा है, साथ ही खरीदारों के लिए लंबी अवधि की जीरो-कॉस्ट एटक (शून्य ब्याज दर ईएमआई) का विकल्प भी पेश किया है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जे बी पार्क ने लंदन में वैश्विक लॉन्च के दौरान स्पष्ट किया था कि प्रतिस्पर्धी कंपनियों की तुलना में सैमसंग ने कीमतों में काफी कम बढ़ोतरी की है, क्योंकि कंपनी खुद इस बढ़ी हुई लागत का बोझ उठा रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने के बजाय अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम डिवाइस देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए वर्ष 2026 में कंपनी को भारी वित्तीय नुकसान वहन करना पड़ रहा है।

रिसर्च फर्म स्मार्ट एनालिटिक्स ग्लोबल के मुताबिक, दुनिया भर में मेमोरी चिप्स की कीमतों में आए संकट के कारण भारत का स्मार्टफोन बाजार दबाव में बना रहेगा, जिससे बाजार में पहले से बिक रहे स्मार्टफोन्स की कीमतें बढ़ेंगी और नए डिवाइसेज भी अधिक कीमतों पर लॉन्च होंगे। ऐसे में रिटेलर्स ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे आने वाले त्योहारी सीजन के डिस्काउंट का इंतजार करने के बजाय अभी स्मार्टफोन और लैपटॉप खरीद लें, क्योंकि आने वाले दिनों में कीमतें और बढ़ सकती हैं।

राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ ने कांवड़ियों का किया भव्य स्वागत तथा लगाया सेवा शिविर

पालघर(उत्तरशक्ति)। पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार के अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में बोईसर में भव्य बाणगंगा शिव कांवड़ यात्रा का आयोजन श्रद्धा व उत्साह के साथ किया गया। भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में गूंज उठा।

कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों के स्वागत एवं सेवा के लिए राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ की ओर से चित्रालय स्थित सम्राट होटल के सामने भव्य सेवा शिविर लगाया गया। शिविर में कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के लिए केले, बिस्कुट और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई। इस सेवा कार्य में मंगलम ज्वेलर्स एवं सम्राट होटल का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारी,

कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही। क्षेत्र के गणमान्य समाजसेवियों तथा पत्रकारों का गर्मजोशी से स्वागत एवं सत्कार किया गया। राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा, धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की सेवा तथा समाज के प्रबुद्धजनों का सम्मान संघ की प्राथमिकताओं में शामिल है। कांवड़ यात्रा के दौरान सेवा शिविर के माध्यम से शिवभक्तों की सेवा करना संघ के लिए सौभाग्य का विषय है। सेवा कार्य में राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के ललित माली, शिव शंकर तिवारी, लक्ष्मण बेदाड़े, रोहित सिंह, आदेश श्रीवास्तव, डी.एन. सिंह, पवन उपाध्याय, हेमंत जैन, भीम गढ़वी, कमलेश गढ़वी, सुनीता सकपाल, चांदनी सिंह, सरिता तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुटे रहे।

जगद्गुरु श्रीमद् रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी का दहानू में भव्य स्वागत तैयारी

पालघर (उत्तरशक्ति)। दक्षिण पीठ नाणीजधाम के जगद्गुरु श्रीमद् रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी का आगामी 27 अगस्त को डहाणू में नारली पूर्णिमा के पावन अवसर पर भव्य स्वागत किया जायेगा। जगद्गुरु श्री के सुबह 11 बजे धाकटी डहाणू में शुभ आगमन का कार्यक्रम निर्धारित है। इस अवसर पर गणेश मंदिर तालाब से लेकर धाकटी डहाणू धक्के तक जगद्गुरु श्री की पावन उपस्थिति में नारली पूर्णिमा की भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी। शोभायात्रा के दौरान पारंपरिक विधि-विधान से नारियल पूजन किया जायेगा तथा परम पूज्य जगद्गुरु श्री के हाथों समुद्र देवता को मान-सम्मान के साथ नारियल अर्पित किया जायेगा। शोभायात्रा में स्थानीय पारंपरिक संस्कृति की आकर्षक झलक देखने को मिलेगी। इसमें कोली नृत्य, गरबा नृत्य, तारपा नृत्य, ढोल पथक, लेझिम पथक सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जायेंगे। इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों में उत्साह का वातावरण है। नारली पूर्णिमा के इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन के माध्यम से समुद्र और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ ही क्षेत्र की पारंपरिक कोली संस्कृति को भी भव्य रूप से प्रदर्शित किया जायेगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं एवं नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस पावन अवसर का लाभ लेने का आहवान किया है।

चेंबूर में कन्या पूजन संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सावन के इस महीने में चेम्बूर के श्री भूलिगेश्वर देवालय ट्रस्ट परिसर में 11 फुट ऊंचे शिवलिंग की स्थापना की गई है।

उज्जैन के मांगल धाम के पिठाधिश्वर पूज्य महंत श्री राजेंद्र गिरी(बापूजी)ने चेंबूर के लोकमान्य तिलक हाई स्कूल की 151 कन्याओं का पूजन संपन्न कराया.इस मौके पर स्थानीय विधायक तुकाराम काते प्रभाग समिति एम वार्ड(प)अध्यक्ष नगर सेविका आशा सुभाष मराठे.नगर सेविका संबृद्धि काते चेम्बूर के समाजसेवी अनिल बच्चूभाई चौहान लोकमान्य तिलक विद्यालय के महासचिव सुभाष मराठे पूर्व नगर सेविका राजश्री पालांडे ने कन्याओं का विधि विधान से पूजन किया।

सूर्या नदी से शिवाजी नगर तक निकली दिव्य कांवड़ यात्रा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पवित्र सावन मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त 2026 को बोईसर-तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र अंतर्गत सालवड़ ग्राम पंचायत के शिवाजी नगर स्थित श्री ओंकारेश्वर महादेव मंदिर से भव्य एवं दिव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्त लाल प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कांवड़ यात्रा का शुभारंभ पं. प्रेमशंकर तिवारी के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सालवड़ ग्राम पंचायत के उपसरपंच निखिल ठाकुर ने सपत्नीक श्री ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का विधिवत पूजन कर किया। इसके बाद नारियल फोड़कर, भगवा ध्वज लहराते हुए और शंखनाद के साथ कांवड़ यात्रा को रवाना किया गया। कांवड़ यात्री सूर्या नदी से पवित्र जल लेकर

भगवान भोलेनाथ के जयकारों के साथ ओंकारेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। इस दौरान पूरे मार्ग में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। मंदिर पहुंचने के बाद शिवभक्तों ने पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। यात्रा के दौरान विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं समाजसेवियों की ओर से कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। साथ ही यात्रियों के लिए चाय, बिस्कुट, केले व पेयजल सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई।

सेवा कार्यों से कांवड़ यात्रियों में उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा। कांवड़ यात्रा के शुभारंभ अवसर पर सालवड़ ग्राम पंचायत सरपंच संजय पाटील, पूर्व सरपंच मृदुला पाटील, विदुर पाटील तथा समाजसेवीयों में स्वामीनाथ पाण्डेय, संजय ठाकुर, बी.एन. सिंह, मनदेव दुबे, गिरजेश आर. सिंह, बी.बी. सिंह, रामनरेश यादव, ओमप्रकाश दुबे, प्रदीप सिंह, घनश्याम सिंह, पंकज पाण्डेय, शिवचन्द यादव, देवी सिंह, राजेश यादव, अनिल गुप्ता, उमेश सोनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री उपस्थित रहे। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से भी पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। धार्मिक आस्था, सेवा व सामाजिक एकजुटता के इस आयोजन से शिवाजी नगर सहित पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

गड्ढों को लेकर मनपा के खिलाफ गणेश वेशभूषा के साथ प्रदर्शन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर की मुख्य और भिवंडी की सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढों को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) ने मंगलवार को कल्याण नाका क्षेत्र में आंदोलन किया। शहराध्यक्ष प्रवीण पाटिल के नेतृत्व में हुए इस आंदोलन में गणपति बप्पा का मुखौटा पहने व्यक्ति को साथ लेकर सड़क के गड्ढों के खिलाफ विरोध जताया गया।आंदोलन में पार्टी पदाधिकारी आसिफ अंसारी, अरुणा अंकम, जान्हवी भोईर, शमीम अंसारी, महेश येमुल, रणजीत सिंह वालिया, व्यंकटेश गड्डम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रवीण पाटिल ने कहा कि भिवंडी में ईद-ए-मिलादुन्नबी, दहीहंडी और गणेशोत्सव जैसे प्रमुख त्योहार नजदीक हैं। सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों की बड़ी गणेश प्रतिमाओं का शहर में आगमन भी शुरू हो गया है, लेकिन मुख्य मार्गों सहित अंदरूनी सड़कों के गड्ढे अब तक नहीं भरे गए हैं। ऐसे में गणेश प्रतिमाओं के आवागमन के दौरान दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मुंबई में गणेश प्रतिमा आगमन के दौरान हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में दो लोगों की जान जा चुकी है। यदि भिवंडी में भी ऐसी घटना हुई तो इसके लिए मनपा

प्रशासन, आयुक्त और महापौर पूरी तरह जिम्मेदार होंगे।

पाटिल ने आरोप लगाया कि करीब दो महीने पहले ढाई करोड़ रुपये खर्च कर सड़कों की मरम्मत की गई थी, लेकिन पहली ही बारिश में डामर और गिट्टी बह गई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब नागरिक नियमित रूप से संपत्ति कर और पानी का कर भरते हैं, तो उन्हें बेहतर सड़कें और मूलभूत सुविधाएं क्यों नहीं मिल रही हैं। उन्होंने नागरिकों से संपत्ति कर नहीं भरने का आह्वान करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द ही शहर के गड्ढे नहीं भरे गए तो अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को सड़क पर लाकर उन्हें गड्ढे दिखाए जाएंगे।

चिन्मया विद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित चिन्मया विद्यालय में इंटरैक्ट क्लब एवं चिन्मया स्पेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्य डिम्पल मिस्त्री के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 200 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने अतिथियों का पारंपरिक रूप से स्वागत कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रकाश डाला। भारतीय अंतरिक्ष अभियानों पर आधारित कविता पाठ, अंतरिक्ष विषयक वीडियो, अंतरिक्ष यान एवं उपग्रहों के मॉडल, चित्र प्रदर्शनी और प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा एवं वैज्ञानिक रुचि का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अंतरिक्ष विज्ञान विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों के हाथों पुरस्कार एवं पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित

किया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य, तत्कालीन अध्यक्ष राम नारायण गोयल, चिन्मया विद्यालय के उपाध्यक्ष एवं रोटरी युवा सेवा निदेशक डॉ. पराग कुलकर्णी, पूर्व अध्यक्ष वैशाली शिंदे, सचिव रेखेश जैन, रोटरी समन्वयक रोटेरियन शानू ठाकुर, विद्यालय समन्वयक अश्मी जोशी सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. प्रवीण वैश्य ने विद्यार्थियों से वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आहवान किया। डॉ. पराग कुलकर्णी ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत की बढ़ती उपलब्धियों तथा इसरो की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन पर रोटरी समन्वयक रोटेरियन शानू ठाकुर ने आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अतिथियों, विद्यालय प्रबंधन, प्राचार्य, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद किया। प्राचार्य डिम्पल मिस्त्री ने भी सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुलुंड खेल मैदान को पेट्रोल पंप के लिए इस्तेमाल करने के खिलाफ राकेश शेट्टी का विरोध प्रदर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड (पूर्व) के महाकाली नगर स्थित आरक्षित खेल मैदान की जमीन को पेट्रोल पंप के लिए इस्तेमाल किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता और मुंबई रीजनल कांग्रेस कमेटी के महासचिव राकेश शंकर शेट्टी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खेल मैदान और खुले स्थानों को सुरक्षित रखने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए खेल मैदान को बचाने की मांग की। उनका कहना था कि मुलुंड जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में बच्चों और युवाओं के लिए उपलब्ध खेल मैदानों और खुले स्थानों को किसी अन्य उपयोग के लिए नहीं दिया जाना चाहिए। राकेश शंकर शेट्टी ने कहा कि हमें पेट्रोल पंप की जरूरत से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसके लिए मुलुंड के खेल मैदान को खत्म नहीं किया जा सकता। बच्चों के खेलने और युवाओं के भविष्य के लिए इस मैदान को बचाना जरूरी है। विकास के नाम पर शहर में बचे खुले स्थानों को खत्म करना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की कि प्रस्तावित पेट्रोल पंप के लिए कोई वैकल्पिक स्थान तलाशा जाए और खेल मैदान को सुरक्षित रखा जाए। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि खेल मैदान और खुले स्थानों की सुरक्षा नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

फेडएक्स की नया इंटीग्रेटेड एयर कार्गो हब बनाने की योजना

मुंबई। फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन (फेडएक्स) ने आज घोषणा की कि वह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जीएमआर कार्गो सिटी में नया इंटीग्रेटेड एयर कार्गो हब विकसित करेगी। यह कदम उत्तर और पूर्वी भारत में उसकी कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा और इन बाजारों के व्यवसायों को वैश्विक नेटवर्क के विभिन्न डेस्टिनेशंस से जोड़ेगा।

प्रस्तावित सुविधा फेडएक्स द्वारा लगभग वर$150 मिलियन के दीर्घकालिक निवेश का प्रतिनिधित्व करती है। लगभग 2,30,000 वर्ग फुट में फैला यह पूरी तरह ऑटोमेटेड इंटीग्रेटेड एयर कार्गो हब इस तरह डिजाइन किया गया है कि अंतरराष्ट्रीय गेटवे और पिकअप-एंड-डिलीवरी ऑपरेशंस को एक ही सुविधा में लाया जा सके। इससे ऑपरेशनल एफिशिएंसी बढ़ेगी और शिपमेंट्स की तेज तथा सहज मूवमेंट संभव होगी। ऑपरेशनल होने के बाद, यह हब प्रोसेसिंग क्षमता को 600 पैकेज प्रति घंटे से बढ़ाकर 5,000 पैकेज प्रति घंटे तक कर देगा, और मांग बढ़ने पर इसे और आगे स्केल करने की लचीलापन भी होगी। ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी भारत सरकार के माननीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किन्जरापु राममोहन नायडू की गरिमामयी उपस्थिति से सम्पन्न हुई। इस सुविधा में एडवांस्ड ऑटो-सॉर्टर, लेटेस्ट-जनरेशन एक्स-रे मशीनें और एन्हांस्ड सिक्योरिटी सिस्टम शामिल करने की योजना है। इसके साथ ही इंटेलिजेंट पैकेज-हैंडलिंग टेक्नोलॉजी भी होगी। ये क्षमताएं शिपमेंट मूवमेंट को और अधिक एफिशिएंट और रिलायबल बनाएंगी, नेटवर्क रेज़िलिएंस को मजबूत करेंगी और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाएंगी। कामी विश्वनाथन, प्रेसिडेंट, फेडएक्स मिडल ईस्ट, इंडियन सबकॉन्टिनेंट और अफ्रीका , ने कहा, भारत हमारे वैश्विक नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण मार्केट है, जिसमें उत्तर और पूर्वी भारत देश के बढ़ते व्यापार और आर्थिक अवसरों में अहम भूमिका निभाते हैं। दिल्ली में हमारी उपस्थिति को मजबूत करना इन बाजारों में कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा और व्यवसायों को उनके विकास और विस्तार में सपोर्ट करेगा। यह भारत में हमारे दीर्घकालिक विश्वास और देश की बदलती ट्रेड जरूरतों को सपोर्ट करने के लिए क्षमता और क्षमताओं में निवेश करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जीएमआर कार्गो सिटी को दिल्ली एयरपोर्ट पर एक इंटीग्रेटेड, फ्यूचर-रेडी कार्गो और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें वैश्विक लॉजिस्टिक्स प्लेयर्स, कार्गो ऑपरेटर्स और एलाइड सर्विसेज को एक रणनीतिक रूप से स्थित एयरपोर्ट-बेस्ड प्लेटफॉर्म पर एक साथ लाया जाएगा। दिल्ली की स्थिति को एक प्रमुख एयर कार्गो गेटवे के रूप में मजबूत करने और भारत की बढ़ती ट्रेड, ई-कॉमर्स तथा एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स आवश्यकताओं को सपोर्ट करने के लिए इसे डिजाइन किया गया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बारावफात की सजावट के दौरान करंट की चपेट में आए पिता-पुत्र, दोनों की मौत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सिगरा थाना क्षेत्र के काजीपुर खुर्द, लल्लापुरा में मंगलवार सुबह बारावफात की सजावट के दौरान करंट की चपेट में आने से पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

बताया गया कि सलीमुद्दीन उर्फ पप्पू (45) पुत्र रफीकुद्दीन अपने 17 वर्षीय पुत्र अनस के साथ घर के सामने बारावफात की सजावट कर रहे थे। इसी दौरान अनस करंट की चपेट में आ गया। उसे बचाने के प्रयास में उसके पिता भी करंट की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही सिगरा प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। लल्लापुरा चौकी प्रभारी शिवम मिश्रा भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में भी शोक की लहर दौड़ गई।

तेज रफ्तार बाइक ने उपनिरीक्षक को मारी टक्कर, गंभीर रूप से घायल

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र में विवेचना के दौरान सड़क किनारे खड़े उपनिरीक्षक को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में उपनिरीक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें वाराणसी स्थित ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। बताया गया कि उपनिरीक्षक रामलाल हमराह पुलिसकर्मियों के साथ मुकदमा संख्या 218/2026 की विवेचना के सिलसिले में 21 अगस्त को रज्जेपुर गांव जा रहे थे। नयनपुर प्राथमिक विद्यालय के पास पुलिस टीम सड़क की पटरी पर रुककर पीछे से आ रहे कर्मचारियों का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान शाम करीब 4:45 बजे सामने से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे बाइक सवार ने बिना हॉर्न बजाए उपनिरीक्षक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से वह सड़क किनारे खाई में जा गिरे। हादसे में उनके दाहिने पैर, कंधे और हाथ में गंभीर चोटें आईं। साथ मौजूद पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। उपनिरीक्षक रामलाल ने 24 अगस्त को गौराबादशाहपुर थाने में तहरीर देकर दुर्घटना के संबंध में कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऑपरेशन वज्रपात में जौनपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, असलहा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अवैध असलहा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन वज्रपात के तहत मछलीशहर पुलिस और स्वाट टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन कथित असलहा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5 पिस्टल, 7 अवैध तमंचे और 2 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद करने का दावा किया है।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर ताजुद्दीनपुर पुलिया के पास चेकिंग के दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार तीन संदिग्धों को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उनके पास से बड़ी संख्या में अवैध असलहे बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों के अंतरजनपदीय असलहा तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी सामने आई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शिव प्रकाश मिश्रा, मनकामेश्वर मिश्रा और प्रियांशु शुक्ला के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अपने गृह जनपद से अवैध असलहे लाकर जौनपुर समेत आसपास के जिलों में सप्लाई करते थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अब असलहों की सप्लाई के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार गिरोह का कथित मुख्य सरगना सुनील दूबे है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मछलीशहर थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय भेज दिया गया है। मामले में गिरोह के अन्य सदस्यों और अवैध असलहा सप्लाई नेटवर्क की जांच जारी है।

नगर पंचायत ओबरा की लापरवाही से जलभराव, सड़क निर्माण पर भी उठे सवाल

ओबरा,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर में इन दिनों बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि नगर पंचायत द्वारा बनाई गई नालियां जगह-जगह जाम हैं, जिसके चलते नालियों का पानी सड़कों पर बह रहा है। कई स्थानों पर पानी लोगों के घरों तक पहुंचने से घरेलू सामान खराब होने की भी शिकायत सामने आई है। सबसे अधिक परेशानी वार्ड नंबर 14 अटल नगर के लोगों को हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार यहां बनी नालियों का पानी लगातार सड़कों पर बहता रहता है, जिससे राहगीरों को आवागमन में दिक्कत होती है। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है। वहीं, क्षेत्र में हाल ही में कराई गई आरसीसी सड़क के निर्माण को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क का निर्माण कई टुकड़ों में कराया गया है तथा कुछ स्थानों पर सड़क की बनावट ऐसी है कि लोगों को उस पर चढ़ने और उतरने में परेशानी होती है। थोड़ी सी असावधानी होने पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों के मुताबिक कई लोग गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। नागरिकों ने नगर पंचायत से नालियों की तत्काल सफाई कराने, जलनिकासी की उचित व्यवस्था करने तथा सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि बारिश से पहले यदि नालियों की समुचित सफाई और जलनिकासी की व्यवस्था कर दी जाती तो जलभराव की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती थी।

कृषि विभाग में चयनित 71 प्राविधिक सहायकों को मिले नियुक्ति पत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कृषि विभाग में प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी के पद पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति/चयन पत्र वितरित किए गए। मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवनियुक्त प्राविधिक सहायकों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान लखनऊ से आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, डॉ. अजय सिंह, जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के नेतृत्व में पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियां प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि जनपद जौनपुर में कुल 71 प्राविधिक सहायकों का चयन हुआ है। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में पूरी निष्ठा से योगदान देने का आह्वान किया।

डॉ. अजय सिंह ने कहा कि नवनियुक्त कृषि कर्मी कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों के हित में पूरे मनोयोग तथा ह्यनेशन फर्स्टह्व की भावना से कार्य करें। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी है कि शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाए।

जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने अधिकारियों के मार्गदर्शन में शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करने तथा अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर दिया।

मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने भी नवनियुक्त प्राविधिक सहायकों को शुभकामनाएं देते हुए कृषि एवं किसान हित से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम में नवनियुक्त प्राविधिक सहायकों में उत्साह का माहौल रहा। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उप कृषि निदेशक अश्वनी सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन डिप्टी पीडी आत्मा डॉ. रमेश चन्द्र यादव ने किया।

इस अवसर पर महामंत्री पीयूष गुप्ता, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव के प्रतिनिधि अजय सिंह, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रबी उल अव्वल पर मदीना मस्जिद में सजा सीरत-ए-मुस्तफा का जलसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा ब्लॉक के शम्भूगंज स्थित मदीना मस्जिद में सोमवार रात रबी उल अव्वल के मुबारक मौके पर मिलाद-उन-नबी की महफिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नात-ए-पाक से

हुई। इसके बाद उलेमाओं ने पैगंबर हजरत मोहम्मद की सीरत, उनके आदर्शों और बताए गए रास्ते पर विस्तार से प्रकाश डाला। हाफिज मोहम्मद जफर और हाफिज मोहम्मद निजामुद्दीन ने कहा कि पैगंबर साहब ने पूरी इंसानियत को अमन, भाईचारे, सच्चाई और इंसाफ का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से जरूरतमंदों की मदद करने, बेहतर आचरण अपनाने और नई पीढ़ी को नबी की शिक्षाओं से जोड़ने की अपील की। महफिल के दौरान हाफिज मोहम्मद सिराज, मोहम्मद आरिफ सहित अन्य उलेमाओं ने नात-ए-पाक पेश की। नात सुनकर मौजूद लोगों ने अपनी खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम में मोहम्मद सलीम अहमद, मोहम्मद शमशाद अली, शाहिद खान समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। अंत में मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली के लिए सामूहिक दुआ की गई।

कुलपति प्रो.वंदना सिंह को विश्वविद्यालय परिवार ने दी भावभीनी विदाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह के तीन वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर मंगलवार को विश्वविद्यालय अतिथि

गृह में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

समारोह में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि पूर्वांचल की माटी में अपार संभावनाएं हैं। यहां के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के बल पर देश-विदेश में विश्वविद्यालय और पूर्वांचल का नाम रोशन करें, यही उनकी कामना है। उन्होंने कहा कि अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में पठन-पाठन एवं शोध की गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ बढ़ावा दिया गया। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिला। विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी पूर्वांचल विश्वविद्यालय इसी तरह निरंतर प्रगति करता रहेगा।

प्रो. वंदना सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से उनका जुड़ाव और यहां के लोगों का स्नेह सदैव स्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अविनाश, प्रो. अजय द्विवेदी,प्रो. मनोज मिश्र, प्रो.प्रदीप कुमार, प्रो राजेश शर्मा, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मुराद अली, प्रो. विनोद कुमार,डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. शशिकांत यादव,डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ.अनुराग मिश्र उपकुलसचिव अजीत सिंह, बबीता सिंह सहित अन्य शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी विचार व्यक्त करते हुए प्रो. वंदना सिंह के कार्यकाल की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. राहुल सिंह, महामंत्री डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. विजय सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों की ओर से प्रो. वंदना सिंह को स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वारीन्द्र सिंह यादव, महामंत्री राधेश्याम सिंह मुन्ना, उपाध्यक्ष सुशील प्रजापति, रमेश यादव,श्रीनाथ यादव समेत कई शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई देते हुए प्रो. वंदना सिंह के कार्यकाल को विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय बताया।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से विवाहिता की मौत

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बहादुरपुर गांव में सोमवार शाम बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 33 वर्षीय विवाहिता की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि गांव निवासी नगीना (33) पत्नी रामब्रीज सोमवार शाम बारिश के दौरान स्नान कर रही थीं। इसी दौरान तेज गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने से वह गंभीर रूप से झुलस गईं। परिजन उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुरानी दीवार गिरने से पति-पत्नी की मौत, मौके पर पहुंची पुलिस

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मंडुआडीह थाना क्षेत्र के बाटा मोड़ इंडस्ट्रियल एरिया में पुरानी दीवार गिरने से पति-पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मृतकों की पहचान रवींद्र और उनकी पत्नी प्रतिभा के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से बिहार के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही मंडुआडीह प्रभारी निरीक्षक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

रक्षाबंधन पर बहनों के लिए बड़ी सौगात, रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। रक्षाबंधन के पर्व पर उत्तर प्रदेश सरकार ने माताओं और बहनों को बड़ी सौगात दी है। प्रदेश में बहनों को अपने भाइयों के घर तक पहुंचने के लिए रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी। सरकार की ओर से जारी व्यवस्था के अनुसार 27 अगस्त से 29 अगस्त की मध्यरात्रि तक बहनों को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही उनके साथ यात्रा करने वाले एक सहयात्री की यात्रा भी निःशुल्क रहेगी। रक्षाबंधन के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं अपने मायके और भाइयों के घर जाती हैं। ऐसे में सरकार के इस फैसले से बहनों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है। परिवहन विभाग की ओर से यात्रियों की सुविधा और भीड़ को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

मनबढ़ों पर पुलिस का शिकंजा, परिजनों को थाने बुलाकर दी सख्त हिदायत

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र में मनबढ़ई, दबंगई और अराजक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए खुटहन पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। ऑपरेशन वज्रपात के तहत थानाध्यक्ष लक्ष्मण विक्रम सिंह ने संदिग्ध गतिविधियों में शामिल युवकों के परिजनों को थाने बुलाकर बैठक की और उन्हें अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने की सख्त हिदायत दी।

बैठक में पुलिस ने स्पष्ट किया कि किसी भी युवक द्वारा विवाद, मारपीट, धमकी या अराजकता फैलाने का प्रयास किए जाने पर उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परिजनों से कहा गया कि वे अपने बच्चों को समझाएं और उनकी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखें।

थानाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि क्षेत्र की शांति एवं कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सार्वजनिक स्थानों पर विवाद खड़ा करने, लोगों को परेशान करने अथवा माहौल खराब करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की इस कार्रवाई से मनबढ़ युवकों में खलबली मची हुई है। वहीं, आमजन में पुलिस की सक्रियता से सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। पुलिस ने साफ किया कि ऑपरेशन वज्रपात के तहत असामाजिक गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

108 कन्याओं ने 12 ज्योतिर्लिंग पर किया जलाभिषेक, निकली भव्य कलश यात्रा

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रामगढ़ कसारी स्थित रामसरोवर मंदिर परिसर में चल रहे धार्मिक आयोजन के तहत 108 कन्याओं ने 12 ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक किया। इससे पहले तियरा ब्रह्मबाबा मंदिर स्थित तालाब से कलश में जल भरकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। डीजे की धुन पर श्रद्धालु और महिलाएं जयकारे लगाते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे, जिससे पूरा मार्ग और मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया।

कलश यात्रा में 108 कन्याओं के साथ शिव शक्ति महिला मंडल एवं भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के सदस्य शामिल रहे। इस दौरान छह महिलाओं ने तलवार लेकर प्रदर्शन भी किया। मंदिर परिसर पहुंचने के बाद आचार्य अमरेश मिश्र एवं दशरथ शुक्ला ने विधि-विधान से रुद्राभिषेक और पूजन कराया। आरती के दौरान ह्यहर-हर महादेवह्व के जयकारों से

पूरा परिसर गूंज उठा।

कार्यक्रम के संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि पूरे सावन माह आचार्य अमरेश मिश्र द्वारा रुद्राभिषेक, पूजन एवं आरती कराई जा रही है। यह आयोजन 28 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रुद्राभिषेक में शामिल होने की अपील की।

आयोजन के दौरान प्रतिदिन विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में महेंद्र सिंह, अजय सिंह, किरन मोदनवाल, उर्मिला केशरी, लीलावती, प्रियंका गुप्ता, राजपति, राधिका केशरी, चिंता मौर्य, उर्मिला देवी, प्रहलाद, रामरक्षा, राजेंद्र महाराज, रामखेलावन, परमानंद, रमेश कुमार, कालो देवी, विमला देवी, मीरा, रितु यादव, हीरा सिंह सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

स्थानांतरण के महीनों बाद तीन लेखपाल कार्यमुक्त, एक को रोकने की कवायद पर उठे सवाल

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी तहसील में स्थानांतरण के बाद भी लंबे समय तक कार्यमुक्त न किए गए तीन लेखपालों को आखिरकार उपजिलाधिकारी के निर्देश पर कार्यमुक्त कर दिया गया। वहीं, इनमें से एक लेखपाल को कार्यमुक्त किए जाने के बाद तहसीलदार द्वारा जिलाधिकारी को पत्र भेजे जाने से तहसील में चचाओं का दौर शुरू हो गया है।

बताया गया कि 23 जुलाई को जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में अपर जिलाधिकारी ने दुद्धी तहसील क्षेत्र के 11 लेखपालों का स्थानांतरण किया था। आरोप है कि स्थानांतरण आदेश के बावजूद तीन लेखपालों को महीनों तक कार्यमुक्त नहीं किया गया। इसको लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं चल रही थीं।

मामला समाचार पत्र में प्रकाशित होने के बाद उपजिलाधिकारी दुद्धी ने संज्ञान लेते हुए तीनों लेखपालों को कार्यमुक्त कर दिया। साथ ही उनके क्षेत्रों का कार्यभार नजदीकी लेखपालों को सौंपने की प्रक्रिया सुनिश्चित की गई।

इसी बीच कार्यमुक्त किए गए एक लेखपाल के संबंध में तहसीलदार दुद्धी द्वारा जिलाधिकारी को पत्र भेजकर उन्हें तत्काल अवमुक्त न किए जाने की कार्रवाई शुरू किए जाने की बात सामने आई है। इससे तहसील में एक बार फिर चचाओं का बाजार गर्म हो गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि स्थानांतरण प्रशासनिक आदेश के तहत हुआ है तो संबंधित कर्मचारियों को समय से कार्यमुक्त किया जाना चाहिए था। वहीं, कुछ लोगों द्वारा संबंधित लेखपालों के खिलाफ पूर्व में जिलाधिकारी को शिकायतें दिए जाने का भी दावा किया जा रहा है, जिनमें कथित तौर पर धन एवं अन्य आरोप लगाए गए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

दुद्धी तहसील में बड़ी संख्या में लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक तैनात हैं। ऐसे में स्थानांतरित लेखपालों को कार्यमुक्त करने के बजाय किसी विशेष कर्मचारी को रोकने की कवायद क्यों की जा रही है, यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है। अब पूरे मामले में तहसील प्रशासन और जिलाधिकारी स्तर से स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है।

मूसलाधार बारिश से जलमग्न हुई काशी, BHU में घुटने से ऊपर तक भरा पानी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सोमवार की रात हुई मूसलाधार बारिश से काशी में जगह-जगह जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। कैंट से लेकर कामच्छा, सिगरा, भोजूबीर और बीएचयू परिसर तक कई इलाकों में सड़कें पानी से लबालब नजर आईं। बारिश ने उमस और गर्मी से राहत दी, लेकिन जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं।

बीएचयू के मुख्य द्वार से अस्पताल तक जलभराव के कारण मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। कई स्थानों पर पानी घुटने से ऊपर तक पहुंच गया, जिससे मरीजों को पानी के बीच से होकर अस्पताल तक जाना पड़ा। कुछ मरीज व्हीलचेयर पर

बैठकर पानी कम होने का इंतजार करते नजर आए।

जलभराव के बाद नगर निगम की टीमों को जलनिकासी के लिए लगाया गया है। कर्मचारियों द्वारा जगह-जगह जमा पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है। बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव ने नगर की जलनिकासी व्यवस्था की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

अंबेडकर प्रतिमा तोड़कर ले जाने के मामले में ग्रामीणों पर कार्रवाई का विरोध, निष्पक्ष जांच की मांग

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के शिवदासपुर स्थित रविदास मंदिर के पास डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़कर ले जाने के मामले में कुछ ग्रामीणों के खिलाफ शांति भंग की धाराओं में कार्रवाई किए जाने का विरोध शुरू हो गया है। ग्रामीणों ने पुलिस आयुक्त, वाराणसी को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और निर्दोष लोगों पर की गई कार्रवाई वापस लेने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने केवल प्रतिमा तोड़े जाने की घटना पर अपनी आपत्ति और भावनाएं व्यक्त की थीं। उनका कहना है कि किसी भी ग्रामीण ने कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या शांति भंग करने का प्रयास नहीं किया। इसके बावजूद कुछ लोगों के खिलाफ धारा 126/135 इठरर के तहत कार्रवाई की गई। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने मांग की कि प्रतिमा तोड़कर ले जाने की घटना की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक दोषियों की पहचान की जाए और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही, जिन ग्रामीणों ने किसी प्रकार का उपद्रव या शांति भंग नहीं की, उनके विरुद्ध की गई कार्रवाई को तत्काल हटाया या निरस्त किया जाए। ग्रामीणों ने कहा कि निर्दोष लोगों को राहत देकर क्षेत्र में शांति और सौहार्द का माहौल कायम रखा जाए। इस दौरान उत्तर प्रदेश ऑटो रिक्शा थ्री-व्हीलर चालक यूनियन के अध्यक्ष ईश्वर सिंह के नेतृत्व में करण, आकाश, हृदय लाल, विजय, राजेंद्र लाल, लता बाबू, दीपचंद, राजकुमार, सुदर्शन, राजेंद्र, रवि, प्रीति, काजल, पप्पू, अतुल एवं अर्जुन सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

इंदौर में विभिन्न स्थानों पर सांसद गजेंद्र पटेल व कविता पाटीदार का स्वागत

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद खरगोन सांसद गजेंद्र पटेल और राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार मंगलवार को पहली बार इंदौर पहुंचे हैं।दोनों नेताओं का एयरपोर्ट से भाजपा कार्यालय तक जगह जगह भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। रैली एयरपोर्ट से मरी माता चौराहा पहुंचने पर कुछ देर जाम की स्थिति बनी इसके बाद फिर बारिश शुरू हो गई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में सांसद गजेंद्र कोठारी को राष्ट्रीय महामंत्री और कविता पाटीदार को राष्ट्रीय मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुत्र रत्न की प्राप्ति पर लोगों ने दी बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश के प्रतिष्ठित व सामाजिक पंडित रामअछैबर तिवारी के पौत्र आजाद तिवारी (इंजिनियर) की पत्नी जानवी तिवारी ने पुत्र को जन्म दिया। पुत्र रत्न की प्राप्ति दिनांक 24 अगस्त 2026 को जौनपुर के युनानी अस्पताल में पुत्र का जन्म हुआ। अस्पताल के डाक्टरों बताया मां और बच्चे दोनों स्वस्थ हैं। बता दें कि सात पीढ़ी से ही दो भाईयों से एक ही भाई को बच्चे पैदा होते थे। अब इस रेकार्ड का सिलसिला खत्म हुआ। घर से लेकर क्षेत्र में खुशी का माहौल है, और क्षेत्र में चर्चा का विषय भी है। परदादा रामअछैबर तिवारी, परदादी श्रीमती भोला देवी तिवारी, दादा शेष नारायण तिवारी (नन्हे), दादी निर्मला तिवारी, दादा रामाश्रय तिवारी, दादी शिला तिवारी, बड़े पापा राहुल तिवारी, बड़ी मां शिला तिवारी, पिता आजाद तिवारी, मां जानवी तिवारी , दादी सावित्री मिश्रा, लीलावती मिश्रा, बुआ पिंकी पाण्डेय, शशिकांत मिश्रा, विष्णु कांत मिश्रा , रमाजीत तिवारी ने बच्चे को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं देते हुए दीघार्यु की कामना की है। जगदम्बा संस्कृत महविद्यालय के संचालक राकेश रामशिरोमणि तिवारी , दादा संकठा प्रसाद तिवारी , मां अमृता रामशिरोमणि तिवारी (प्रवंधक) , श्रीमती प्रीति डाली राकेश तिवारी (अध्यापिका) , राजेश तिवारी (अध्यापक) ने आशीर्वाद प्रदान किया। अवनीश तिवारी, आलोक तिवारी, राम बूझारत तिवारी , रोहियांव से विजय चंद मिश्रा , श्रीमती उर्मिला मिश्रा सहित सभी लोगों ने बच्चे को दीघार्यु होने की आशीर्वाद प्रदान किया। मुंबई से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि मृग को कस्तुरी के सुगंध की भांति, बच्चे की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले।

फर्जी आयकर अधिकारी बनकर सराफा दुकान की चेकिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फर्जी आयकर अधिकारी बनकर सराफा दुकान की चेकिंग करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को रामपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुर पुलिस ने यह कार्रवाई की। थाना रामपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 145/2026 में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में वांछित चल रहे जितेन्द्र कुमार सिंह उर्फ जीतू पुत्र स्व. लाल प्रताप सिंह उर्फ लुलई सिंह, निवासी ग्राम निजामुद्दीनपुर, थाना सिकरारा, जौनपुर को 24 अगस्त की रात करीब 7:15 बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी फर्जी आयकर अधिकारी बनकर सराफा दुकान की चेकिंग करने के मामले में फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी रमेश कुमार, कांस्टेबल सुरेश यादव, कांस्टेबल विशारद चौरसिया और महिला कांस्टेबल मंजीशा निषाद शामिल रहीं।

पीयू में एनसीसी चयन शिविर सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सत्र 2026झ27 के लिए एनसीसी प्रवेश हेतु चयन शिविर सम्पन्न हुआ। 98 यूपी बटालियन एनसीसी, जौनपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आलोक डी. सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में पंजीकृत 142 अभ्यर्थियों में 132 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। चयन प्रक्रिया में दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक परीक्षण तथा 50 अंकों की लिखित परीक्षा के माध्यम से अभ्यर्थियों की शारीरिक क्षमता, बौद्धिक दक्षता, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता का मूल्यांकन किया गया। चयन प्रक्रिया सेना से आए अधिकारियों एवं प्रशिक्षित कार्मिकों के सहयोग से सम्पन्न हुई। विश्वविद्यालय की सहायक कुलसचिव (एनसीसी) श्रीमती सरला देवी एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने शिविर का समन्वय किया। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने एनसीसी परिसर में आम एवं अमरूद के पौधे लगाए। विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने चयन शिविर में सहयोग किया।

रालोद प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह का जौनपुर में भव्य स्वागत,मिर्जा जावेद सुल्तान के नेतृत्व में कार्यकताओं ने किया सत्कार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह का प्रथम बार जौनपुर आगमन हुआ। उनके आगमन पर पार्टी कार्यकताओं ने पार्टी के नेता मिर्जा जावेद सुल्तान के नेतृत्व में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान मिर्जा जावेद सुल्तान ने उन्हें स्मृति चिन्ह एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रालोद प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन की मजबूती और कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी गांव, किसान और आमजन से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसानों व ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े विषयों पर सरकार एवं संगठन के स्तर पर निरंतर संवाद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास, कानून-व्यवस्था और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को लेकर सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर जनता की नजर है। राष्ट्रीय लोकदल सकारात्मक कार्यों का समर्थन करने के साथ-साथ जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाता रहेगा। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह राष्ट्रीय लोकदल के काशी प्रांत अध्यक्ष रामआसरे विश्वकर्मा के आवास पिसौरी पहुंचे, जहां उन्होंने उनकी माता जी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य रखने का संबल दिया।

आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस ने बोईसर में किया नई शाखा का विस्तार

बोईसर। आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल), जो एक अग्रणी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी है और आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड की सहायक कंपनी है, ने अपने देशव्यापी वितरण नेटवर्क के विस्तार की व्यापक योजना के तहत महाराष्ट्र में बोईसर में एक नई शाखा का शुभारंभ किया है। इस नई शाखा के साथ महाराष्ट्र में एबीएचएफएल का कुल शाखा नेटवर्क बढ़कर 40 हो गया है, जिससे उच्च विकास क्षमता वाले बाजारों में इसकी उपस्थिति और मजबूत हुई है तथा ग्राहकों तक इसकी पहुंच और बेहतर हुई है। एबीएचएफएल विभिन्न ग्राहक वर्गों की आवश्यकताओं के अनुरूप आवास वित्त समाधानों की व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें किफायती आवास, प्रीमियम आवास, निर्माण वित्त तथा संपत्ति के विरुद्ध ऋण (लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी) शामिल हैं। कंपनी वेतनभोगी व्यक्तियों, स्व-रोजगार पेशेवरों, स्व-रोजगार गैर-पेशेवरों तथा उभरते आय वर्ग के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करती है। मजबूत डिजिटल इकोसिस्टम के समर्थन से एबीएचएफएल सहज ऑनबोर्डिंग, तेज ऋण स्वीकृति और बेहतर पारदर्शिता सुनिश्चित करता है, जिससे ग्राहकों को उत्कृष्ट अनुभव प्राप्त होता है। नई शाखा के शुभारंभ के अवसर पर एबीएचएफएल 19 अगस्त से 31 अगस्त, 2026 तक ग्राहकों के लिए शून्य लॉगिन शुल्क तथा 50 लाख तक की स्पॉट लोन स्वीकृति की विशेष सुविधा प्रदान कर रहा है, जिससे ग्राहकों को तेज और अधिक किफायती तरीके से ऋण उपलब्ध हो सकेगा। विस्तार के बारे में बोलते हुए, आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पंकज गाडगिल ने कहा, महाराष्ट्र हमारे लिए एक महत्वपूर्ण विकासशील बाजार है। मजबूत मांग और बढ़ती आकांक्षाओं के साथ हम ग्राहकों से अपने जुड़ाव को और गहरा करने के लिए इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं। अपने बढ़ते वितरण नेटवर्क और मजबूत डिजिटल क्षमताओं के संयोजन से हमारा उद्देश्य ग्राहकों के लिए घर खरीदने की पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल, तेज और परेशानी-मुक्त बनाना है।

शौर्य वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा भव्य कजरी महोत्सव सम्पन्न

विशेष रूप से भाजपा मुंबई महिला मोर्चा उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा रहीं उपस्थित

मुंबई। शौर्य वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा शारदा ज्ञानपीठ विद्यामंदिर, मालाड, मुंबई में भव्य कजरी महोत्सव का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा मुंबई महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ एनसीपी नेता रमेश दुबे सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सांस्कृतिक उत्साह और पारंपरिक लोक-संगीत से सजे इस आयोजन में उपस्थित अतिथियों एवं लोगों ने कजरी महोत्सव का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मुख्य आयोजक राम कुमार पाल एवं देवेन्द्र त्रिपाठी को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। इस यादगार आयोजन में राजकुमार पाल, विक्रम पाल एवं रवि पाल भी विशेष रूप से शामिल रहे। भाजपा मुंबई महिला मोर्चा उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा ने आयोजकों और सभी सहयोगियों को इस भव्य एवं सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी लोक परंपराओं और सामाजिक एकता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

पुष्पा कैटरर्स, प्रवेश दुबे और सचिन दुबे द्वारा आयोजित भव्य कावड़ यात्रा सम्पन्न

वसई। श्रावण मास के पावन अवसर पर पीपा क्षत्रिय शिव मंदिर, मधुबन गेट, वसई पूर्व में पुष्पा कैटरर्स, भाजपा युवा मोर्चा वालिव मंडल अध्यक्ष प्रवेश दुबे एवं सचिन दुबे द्वारा आयोजित पवित्र कावड़ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में सम्पन्न हुई। कावड़ यात्रा में विशेष रूप से वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित उपस्थित रहीं। इस अवसर पर असंख्य शिव भक्तों ने कावड़ यात्रा में भाग लेकर भगवान भोलेनाथ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। हर हर महादेव के गगनभेदी जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के चरणों में सभी के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने आयोजकों एवं शिव भक्तों के साथ यात्रा में शामिल होकर महादेव का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में आयोजित ऐसी धार्मिक यात्राएं समाज में आस्था, एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करती हैं।

इस अवसर पर नवीन दुबे, भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव जोगेंद्र प्रसाद चौबे, बिजेंद्र कुमार, वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की कॉर्पोरेटर श्रीमती कल्पना आशीष नागपुरे, एसआईआर वसई विधानसभा चीफ मयंक शेठ, गोपी मेनन, सुरेश प्रजापति, बबलू सिंह, प्रदीप मिश्रा, कल्पेश मोहिते सहित बड़ी संख्या में शिव भक्त, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिल में भोलेनाथ की भक्ति और होठों पर हर हर महादेव का जयघोष लिए निकली यह भक्ति से सराबोर कावड़ यात्रा श्रद्धालुओं के लिए यादगार बन गई।

महाराष्ट्र की मंगलागौर परंपरा की पूजा सम्पन्न

मुंबई। गोरेगांव स्थित बृजवासी हॉल में महाराष्ट्र की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और पारंपरिक वेशभूषा की सुंदर झलक प्रस्तुत करते हुए मंगलागौर पूजा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन मोहन गौड़ा एवं श्रीमती इंद्राणी गौड़ा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मंगलागौर की पारंपरिक एवं विधिवत पूजा सम्पन्न हुई। महाराष्ट्र की मंगलागौर परंपरा एक अत्यंत पावन और प्राचीन लोकपरंपरा है, जो विशेष रूप से नवविवाहित महिलाओं के सुख-समृद्धि, सौभाग्य और सुखमय दांपत्य जीवन की मंगलकामना से जुड़ी मानी जाती है।

श्रावण मास में मनाया जाने वाला यह पर्व केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के आपसी स्नेह, उत्साह, लोकगीतों, पारंपरिक खेलों, नृत्य और सांस्कृतिक एकता का भी सुंदर प्रतीक है। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने महाराष्ट्र की जीवंत संस्कृति और लोकपरंपराओं की सुंदर छटा बिखेरी। कार्यक्रम में भाजपा मुंबई महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी मातृशक्ति एवं बहनों को मंगलागौर की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसी समृद्ध परंपराओं को संजोना और उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। मंगलागौर का यह आयोजन महाराष्ट्र की माटी, संस्कृति, संस्कार और गौरवशाली परंपराओं के प्रति सम्मान एवं समर्पण का संदेश देता है।

ईस्ट रीजन परिमंडल-2 पुलिस की सराहनीय पहल ,42 .48 लाख रुपये का बरामद माल असली मालिकों को लौटाया

मुंबई। मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती की संकल्पना और पुलिस सह आयुक्त मनोजकुमार शर्मा के मार्गदर्शन में ईस्ट रीजन परिमंडल-2 की पुलिस ने एक सराहनीय पहल करते हुए चोरी और अन्य अपराधों में बरामद किए गए कीमती सामान को उसके असली मालिकों को वापस लौटाया। 25 अगस्त 2026 को सुबह 11 बजे आयोजित विशेष सामूहिक कार्यक्रम में कुल 42 लाख 48 हजार 486 रुपये मूल्य का बरामद मुद्देमाल संबंधित शिकायतकताओं को सौंपा गया। कार्यक्रम में ईस्ट रीजन परिमंडल-2 के अंतर्गत आने वाले घाटकोपर, पंतनगर, टिळक नगर, नेहरू नगर, चुनाभट्टी और विनोबा भावे नगर–इन छह पुलिस थानों की पुलिस द्वारा विभिन्न मामलों में बरामद किया गया सामान उसके असली मालिकों को वापस किया गया। पुलिस के अनुसार, परिमंडल-2 के अंतर्गत दर्ज जबरन चोरी, घरफोड़ी, चेन स्नैचिंग, मोबाइल चोरी तथा अन्य चोरी के मामलों की तकनीकी जांच और अन्य माध्यमों से आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का माल बरामद किया और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद संबंधित मालिकों को उनका सामान वापस सौंपा। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त, पूर्व प्रादेशिक विभाग धनंजय कुलकर्णी तथा पुलिस उपायुक्त गणेश शिंदे के हाथों शिकायतकताओं को उनका बरामद सामान प्रदान किया गया। लंबे समय बाद अपने चोरी हुए मोबाइल, आभूषण, वाहन और अन्य कीमती वस्तुएं वापस मिलने पर नागरिकों के चेहरों पर खुशी और राहत साफ दिखाई दी। शिकायतकताओं ने पुलिस का आभार भी व्यक्त किया।

अपर पुलिस आयुक्त धनंजय कुलकर्णी ने नागरिकों और पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें खुशी और गर्व है कि पुलिस ने लोगों का खोया अथवा चोरी हुआ सामान वापस उनके सुपुर्द किया है। वहीं पुलिस उपायुक्त गणेश शिंदे ने परिमंडल-2 के सभी छह पुलिस थानों के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में सहायक पुलिस आयुक्त विलास दातीर ने आभार प्रदर्शन किया। पुलिस उपायुक्त गणेश शिंदे के रायडर एस. ए. शिंगारे ने कार्यक्रम का सफल सूत्र संचालन किया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी पंतनगर पुलिस थाने की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लता सुतार की देखरेख में उनके सहयोगी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने संभाली। कार्यक्रम में संबंधित पुलिस थानों के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, सहायक पुलिस आयुक्त तथा अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। ईस्ट रीजन परिमंडल-2 की इस कार्रवाई ने न केवल छह पुलिस थाना क्षेत्रों के शिकायतकताओं को उनकी खोई या चोरी हुई संपत्ति वापस दिलाई, बल्कि नागरिकों के बीच पुलिस के प्रति विश्वास भी और मजबूत किया। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि चोरी या अन्य अपराध में सामान खोने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं और जांच में पुलिस का सहयोग करें।

केशव सृष्टि में शैक्षणिक सैर के प्रस्ताव को मान्यता मिले- गोपाल शेट्टी

मुंबई। केशव सृष्टि में शैक्षणिक सैर के प्रस्ताव को मान्यता देने के संबंध में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने मुंबई महानगरपालिका आयुक्त श्रीमती अश्विनी भिडे को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि केशव सृष्टि में सैर के लिए मुंबई महानगरपालिका की ओर से 2 करोड़ 96 लाख 32 हजार 582 रुपये के खर्च का प्रस्ताव होने की खबर एक समाचार पत्र में पढ़कर प्रसन्नता हुई। इस प्रस्ताव का विपक्ष द्वारा विरोध हो रहा है, यह पढ़कर कुछ खेद भी हुआ।

विद्यार्थियों को ग्रामीण जीवन, खेती, प्रकृति और मेहनतकश समाज के जीवन को नजदीक से समझने का मौका देने वाला केशव सृष्टि निश्चित ही एक अच्छा और दूरदर्शी उपक्रम है, अतः इस प्रस्ताव को मंजूर करके महानगरपालिका के शिक्षा विभाग के माध्यम से हर साल विद्यार्थियों के लिए केशव सृष्टि में शैक्षणिक सैर के आयोजन की स्थायी व्यवस्था की जाए। संभव हो तो निजी स्कूलों के विद्यार्थियों को भी इस उपक्रम में शामिल करने पर भी विचार किया जाए। आज के बच्चे मुख्य रूप से शहरी वातावरण में बड़े हो रहे हैं। इसलिए गाँव कैसा होता है, खेती कैसे की जाती है, किसान और भूमिपुत्रों का जीवन कैसा होता है और अन्न हमारी थाली तक कैसे पहुँचता है, इसका प्रत्यक्ष अनुभव उन्हें मिलना आवश्यक है। विभिन्न सामाजिक और आर्थिक स्तर के बच्चों को एक-दूसरे का जीवन समझने का मौका मिलने से उनमें आपसी सम्मान, किसानों के प्रति कृतज्ञता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और सभी समाज के प्रति अपनापन निर्माण होगा। इसलिए इस प्रस्ताव को केवल खर्च की दृष्टि से न देखकर, भावी पीढ़ी की सर्वांगीण शिक्षा के लिए एक रचनात्मक निवेश के रूप में देखना आवश्यक है। पत्र में जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे लिखा है कि आज सत्ताधारी दल के पास बहुमत होने से प्रस्ताव मंजूर हो सकता है; लेकिन सर्वदलीय सहयोग से उसे लागू किया गया तो उसका महत्व और बढ़ेगा। पत्र के अंत में गोपाल शेट्टी ने मुम्बई मनपा आयुक्त से मांग की है कि केशव सृष्टि के इस प्रस्ताव को तुरंत मान्यता देकर इस उपक्रम को विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से चलाएं। इस कार्य में पूर्ण साथ और सहयोग के लिए गोपाल शेट्टी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महापौर श्रीमती रितु तावडे, मिरा-भाईंदर महानगरपालिका आयुक्त, महापौर डिम्पल मेहता व विधायक नरेंद्र मेहता को भी अलग से पत्र भेजा है।

जिलाधिकारी ने ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (**उत्तरशक्ति**)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों एवं प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, व्यवस्थाओं और निर्धारित शुल्क के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान अवधेश कुमार एवं शिवपूजन पटेल ने जिलाधिकारी को शिकायत करते हुए बताया कि निर्धारित शुल्क से अधिक धनराशि वसूली गई है। शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रशिक्षणार्थियों से निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त किसी भी प्रकार की धनराशि न ली जाए और अवैध वसूली करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में निर्धारित शुल्क से अधिक धनराशि लिए जाने अथवा इस प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं नियमानुसार संचालित की जाए। इसके बाद जिलाधिकारी ने ट्रेनिंग ट्रैक का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ट्रैक की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र में साफ-सफाई, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षणार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा प्रशिक्षण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रशिक्षण केंद्र का संचालन निर्धारित मानकों एवं नियमों के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

हत्या की सजा काट रहे कैदी की उपचार के दौरान मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला कारागार में हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे करीब 65 वर्षीय कैदी की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार आजमगढ़ जनपद के रानी की सराय थाना क्षेत्र के चकवारा गांव निवासी जैनू यादव को आजमगढ़ जिला एवं सत्र न्यायालय ने हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। वर्ष 2008 से वह आजमगढ़ जेल में सजा काट रहा था। कुछ माह पूर्व उसे जिला कारागार जौनपुर स्थानांतरित किया गया था। सोमवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर जेल प्रशासन ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। शाम करीब सात बजे अस्पताल में भर्ती किए गए जैनू यादव की रात लगभग 12 बजे उपचार के दौरान मौत हो गई।

नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल ने 175 से अधिक बच्चों की मिर्गी संबंधी किया है सर्जरी

मुंबई, 25 अगस्त 2026: नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल ने बच्चों में दवा-प्रतिरोधी मिर्गी (ड्रग-रेजिस्टेंट एपिलेप्सी) के इलाज के लिए बने भारत के इकलौते और देश के सबसे बड़े समर्पित कार्यक्रम के तहत 175 से ट्रैक 200 पर अधिक पीडियाट्रिक एपिलेप्सी सर्जरी सफलतापूर्वक पूरा कर ली हैं। अस्पताल में सर्जरी कराने वाले मरीजों में से 87% बच्चे एक साल की फॉलो-अप अवधि के बाद पूरी तरह से दौरे-मुक्त (सीजर-फ्री) पाए गए हैं।

यह उपलब्धि भारत में इस बीमारी के इलाज में मौजूद बड़े अंतर को उजागर करती है। अनुमान के अनुसार, भारत की 0.8% बाल और किशोर आबादी मिर्गी से प्रभावित है। मिर्गी से पीड़ित अधिकांश लोगों को यह बीमारी बचपन में ही हो जाती है। मिर्गी से पीड़ित लगभग एक-तिहाई बच्चों में दवा-प्रतिरोधी मिर्गी पाई जाती है, जिनके लिए समय पर किसी विशेष मिर्गी केंद्र जाना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में 20 से 30 लाख बच्चे दवा-प्रतिरोधी मिर्गी के साथ जी रहे हैं, जिनमें से लगभग 10 लाख मरीज सर्जरी के जरिए ठीक होने के योग्य हो सकते हैं। हालांकि, इसके बावजूद वर्तमान में प्रति 1,000 योग्य मरीजों में से केवल 2 की ही सर्जरी हो पाती है, जो इलाज में मौजूद इसी बड़े अंतर को दर्शाता है।

नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में इस एपिलेप्सी कार्यक्रम की शुरुआत डॉक्टरों की एक समर्पित टीम (डॉ. अनायता उडवाडिया हेगड़े, प्रमुख, न्यूरोसाइंस विभाग, डॉ. प्राद्न्या गाडगिल, वरिष्ठ सलाहकार, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी और डॉ. सौरव सामंतराय, वरिष्ठ सलाहकार, पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जन) द्वारा भारत में पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी की उन्नत उप-विशेषज्ञताओं को विकसित करने के विजन के साथ की गई थी। डॉ. अनायता उड़वाडिया हेगड़े, प्रमुख, न्यूरोसाइंस विभाग ने कहा, भारत में बच्चों के लिए बेहतर न्यूरोलॉजी सुविधाओं की जरूरत आज सबसे ज्यादा है। मिर्गी बच्चों में होने वाली सबसे आम दिमागी बीमारियों में से एक है, फिर भी इसके विशेषज्ञ इलाज तक लोगों की पहुँच कम है। जटिल न्यूरोलॉजी इलाज केवल एक डॉक्टर के भरोसे नहीं हो सकता, इसके लिए एक पूरी टीम और सही सुविधाओं की जरूरत होती है। इसके लिए एक ऐसा ढांचा चाहिए जहाँ अलग-अलग विशेषज्ञ डॉक्टर मिलकर, सही तकनीकों और तय नियमों के साथ काम करें।

डॉ. प्राद्न्या गाडगिल, प्रमुख, कॉम्प्लेक्स पीडियाट्रिक एपिलेप्सी प्रोग्राम ने कहा, रबच्चों में मिर्गी के दौरों का रुकना या काबू में न आना बहुत

खतरनाक स्थिति है। अचानक आने वाले दौरों से चोट या जान का खतरा तो रहता ही है, साथ ही बार-बार आने वाले दौरे और भारी दवाएं बच्चे के दिमागी विकास पर भी बुरा असर डालती हैं। इनमें से कई बच्चों की बीमारी को सर्जरी से ठीक किया जा सकता है, जिससे उनके दौरे पूरी तरह बंद हो सकते हैं। सही समय पर जांच करके ऐसे बच्चों की पहचान करना बहुत जरूरी है। वहीं अन्य बच्चों को भी सही समय पर ऑपरेशन से काफी फायदा मिल सकता है।

डॉ. सौरव सामंतराय, वरिष्ठ सलाहकार, पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जन ने कहा, रमिर्गी की सर्जरी कोई एक साधारण ऑपरेशन नहीं है, बल्कि यह हर बच्चे की जरूरत के हिसाब से चुनी गई एक खास प्रक्रिया है। कुछ सर्जरी में दिमाग के उस हिस्से को हटाकर या ठीक करके दौरों को पूरी तरह खत्म किया जाता है, जबकि कुछ सर्जरी में दौरों के असर को कम करने की कोशिश की जाती है जब बीमारी का पूरी तरह ठीक होना मुश्किल हो। सही बच्चों का चुनाव करके सर्जरी करने से न केवल दौरे बंद या कम होते हैं, बल्कि बच्चे की सोचने-समझने की क्षमता और दिमागी विकास में भी सुधार होता है। यानी इसके फायदे सिर्फ दौरे रोकने तक सीमित नहीं हैं। लेकिन ऐसे बेहतर नतीजे केवल एक अनुभवी और समर्पित मेडिकल टीम के जरिए ही मुमकिन हैं, अकेले किसी न्यूरोसर्जन से नहीं।

इस कार्यक्रम के नीचे दिए गए मामले बताया गया है कि रोहन (बदला हुआ नाम) 6 वर्षः जब रोहन 2 साल का था, तब उसे रोजाना अचानक गिरने वाले दौरे (ड्रॉप अटैक्स) आने लगे थे। अगले दो से तीन वर्षों में, उसने पढ़ने, लिखने और अन्य बच्चों के साथ घुलने-मिलने की क्षमता खो दी। जब कई दवाएं भी उसके दौरों को नियंत्रित करने में विफल रहीं, तो उसकी कॉर्पस कलोसोटॉमी सर्जरी की गई। अगले ही दिन उसके गिरने वाले दौरे (ड्रॉप अटैक्स) बंद हो गए। आने वाले महीनों में, फिजियोथेरेपी और ऑक्यूपेशनल थेरेपी की मदद से उसने फिर से कविताएं सुनाना और अक्षर व संख्याएं लिखना शुरू कर दिया।

प्रतीक (बदला हुआ नाम) - 20 के दशक के अंत में: प्रतीक जब साढ़े तीन साल का था, तभी से उसे रात में बहुत भयानक दौरे आते थे। 23 सालों तक कई जगह इलाज कराने के बाद भी उसकी बीमारी पकड़ में नहीं आई, जिससे वह और उसका परिवार रात-रात भर जागने को मजबूर रहता था। जब वह एसआरसीसी अस्पताल आया, तो जांच में पता चला कि उसके दिमाग में बचपन से ही एक खराबी थी, जो 20 साल से भी ज्यादा समय से पकड़ी नहीं जा सकी थी। डॉक्टर ने ऑपरेशन करके उस हिस्से को बाहर निकाल दिया। सर्जरी की पहली ही रात के बाद से उसे एक भी दौरा नहीं आया। अब लगभग छह महीने हो चुके हैं, वह पूरी तरह ठीक है और आम लोगों की तरह सामान्य जीवन जी रहा है।

मिथिला (बदला हुआ नाम) - 10 वर्ष (रत्नागिरी): रत्नागिरी की 10 वर्षीय मिथिला को जन्म से पहले दिमाग में हुई गंभीर क्षति के कारण बचपन से ही रोजाना दौरे आते थे। अन्य केंद्रों ने कह दिया था कि इस मामले में कुछ खास नहीं किया जा सकता। उसके दाहिने हिस्से में कमजोरी और बढ़ने के जोखिम के बावजूद, उसकी हेमिस्फेरेक्टॉमी की गई, जिससे दिमाग के क्षतिग्रस्त हिस्से को स्वस्थ हिस्से से अलग कर दिया गया। तीन महीने बाद, वह दौरा-मुक्त है और रिहैबिलिटेशन की मदद से पहली बार बिना किसी सहारे के चल पा रही है और बोल पा रही है।

उजास के सर्वे में पीरियड को लेकर लड़कों के दृष्टिकोण में आया बड़ा बदलाव

मुंबई। पीरियड्स के दौरान एक लड़की के कपड़ों पर दाग लग जाता है। उस पल में, एक छोटा सा मजाक उसकी शर्मिंदगी को और बढ़ा सकता है, जबकि एक सीधा-सा सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार उसे मानसिक संबल प्रदान कर सकता है। आसपास के लोग कैसे प्रतिक्रिया देते हैं, यही तय करता है कि मासिक धर्म उसके लिए शर्म की वजह बनेगा या ऐसी चीज जिसे वह गरिमा के साथ संभाल सके।

सालों से मासिक धर्म स्वास्थ्य से जुड़े प्रयास ज्यादातर लड़कियों को सैनेटरी प्रोडक्ट्स, सही जानकारी और स्वच्छता की सुविधा देने पर ही केंद्रित रहे हैं। लेकिन झिझक-मुक्त माहौल बनाने के लिए उनके आसपास की सोच बदलना भी उतना ही जरूरी है। इसमें उनके साथ बड़े हो रहे लड़कों का नजरिया बदलना शामिल है, जो आगे चलकर सहपाठी, दोस्त, भाई और फिर जीवनसाथी अथवा सहकर्मी बनते हैं। आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट की पहल उजास, जिसकी स्थापना अद्वैतेश बिरला ने की है, लड़कों को इस बातचीत में शामिल करने का काम कर रही है। महाराष्ट्र के 2,402 लड़कों पर किए गए सर्वे में उनकी समझ और सोच में बड़ा बदलाव देखा गया है। इस पहल के बाद किशोरावस्था से जुड़ी समझ में 83.6% की बढ़ोतरी हुई, पीरियड्स पर खुलकर बात करने में 59.8% सुधार आया, और महिला साथियों की मदद करने का आत्मविश्वास 51.7% बढ़ा। पीरियड्स को समझने की जरूरत महसूस करने वाले लड़कों का आंकड़ा 50% से बढ़कर 72% हो गया, जो दिखाता है कि मासिक धर्म स्वास्थ्य को अब सिर्फ लड़कियों का नहीं, बल्कि सबकी साझी जिम्मेदारी माना जाने लगा है।

सर्वे में यह भी सामने आया कि सोच बदलने और रोजमर्रा के व्यवहार के बीच अभी भी एक अंतर मौजूद है। महिला सहपाठियों का समर्थन करने का आत्मविश्वास 54% से बढ़कर 82% हो गया, लेकिन जब किसी सहपाठी के कपड़ों पर दाग लग जाता है, तब सही और संवेदनशील प्रतिक्रिया देने वाले लड़कों का अनुपात 43% से घटकर 40% रह गया।

इन आंकड़ों पर अपने विचार साझा करते हुए, पूनम पाटकर, हेड - उजास, आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट ने कहा, मासिक धर्म से जुड़ी सेहत का समाधान केवल सेनेटरी नेपकिन उपलब्ध कराने से संभव नहीं है। अगर हम चाहते हैं कि लड़कियाँ बिना किसी शर्मिंदगी के बड़ी हों, तो हमें उनके साथ बड़े हो रहे लड़कों की सोच को भी बदलना होगा। हमारा अनुभव दिखाता है कि जब लड़कों को इस बातचीत में शामिल किया जाता है, तो उनकी झिझक खत्म होती है और साथियों की मदद करने के नजरिए में साफ बदलाव आता है। लेकिन जागरूकता सिर्फ शुरुआत है। हम लड़कों को इस चर्चा से बाहर रखकर लड़कियों से पीरियड को लेकर बनी झिझक खत्म करने की उम्मीद नहीं कर सकते। अगर हमें अगली पीढ़ी की लड़कियों का अनुभव बदलना है, तो हमें अगली पीढ़ी के लड़कों की समझ को भी बदलना होगा। मासिक धर्म से जुड़ी गरिमा ऐसी चीज नहीं है जिसे लड़कियाँ अकेले हासिल कर सकें, यह उनके आसपास बनाए गए माहौल पर निर्भर करती है।

युवा सपा नेता तनुज पांडे ने धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर दिया युवाओं को संदेश

जौनपुर। महराजगंज ब्लॉक अंतर्गत मधुपुर गांव निवासी युवा सपा नेता तनुज पाण्डेय ने अपने जन्मदिन के अवसर पर धार्मिक आयोजन कर युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों के लिए बृहद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। वार्ता के दौरान तनुज पाण्डेय ने कहा कि आज का युवा आधुनिकता की ओर तेजी से आकर्षित हो रहा है, लेकिन हमें अपनी प्राचीन संस्कृति, संस्कार और परंपराओं को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने युवाओं से भारतीय सभ्यता एवं सनातन परंपराओं को अपनाने तथा समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। वहीं, आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर अपनी दावेदारी के सवाल पर तनुज पांडे ने कहा कि क्षेत्र के सभी वर्गों से उन्हें लगातार स्नेह, समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के युवा भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने जनता के बीच रहकर सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई। धार्मिक आयोजन के दौरान ग्रामीणों और युवाओं की मौजूदगी से माहौल भक्तिमय बना रहा। आयोजन के समापन पर सभी ने तनुज पांडे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

सीजी ने लॉन्च किए AM सीरीज ड्राइव्स, जनरल पर्पज इंडस्ट्रियल एप्लीकेशंस के लिए कॉम्पैक्ट और हाई-परफॉर्मेंस AC ड्राइव्स की नई रेंज

मुंबई। सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड (सीजी), एक वैश्विक इंजीनियरिंग कंपनी और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योग में अग्रणी, ने अट सीरीज ड्राइव्स के लॉन्च की घोषणा की। यह जनरल पर्पज AC ड्राइव्स की एक नई रेंज है, जिससे कंपनी के इंडस्ट्रियल ड्राइव्स एंड ऑटोमेशन सॉल्यूशंस के पोर्टफोलियो का और विस्तार हुआ है। इंडक्शन मोटर्स और परमानेंट मैग्नेट मोटर्स, दोनों को कंट्रोल करने के लिए बनाई गई अट सीरीज को दुनिया भर में अलग-अलग तरह के औद्योगिक कामों में सटीक स्पीड कंट्रोल, तेज टॉर्क रिस्पॉन्स और विश्वसनीय परफॉर्मेंस देने के लिए डिजाइन किया गया है। मजबूत और बहुउपयोगी कामों के लिए अत्याधुनिक ड्राइव्स के रूप में स्थापित अट सीरीज यह सीजी की उद्योगों को सक्षम बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है, ताकि वे आसान इस्तेमाल और कुल स्वामित्व लागत से समझौता किए बिना इंटेलिजेंट ड्राइव सॉल्यूशंस के जरिए अपनी एफिशिएंसी, प्रोडक्टिविटी और ऑपरेशनल रिलायबिलिटी बेहतर कर सकें। AMX रेंज एडवांस्ड V/F और फील्ड-ओरिएंटेड कंट्रोल (FOC) को एक कॉम्पैक्ट और स्पेस-ऑप्टिमाइज्ड डिजाइन के साथ जोड़ती है। इससे चुनौतीपूर्ण औद्योगिक परिस्थितियों में हाई स्टार्टिंग टॉर्क, सटीक स्पीड रेगुलेशन और बेहतर लो-फ्रीक्वेंसी परफॉर्मेंस मिलता है। यह सीरीज 1.5 किलोवाट से 55 किलोवाट तक की पावर रेटिंग, 3-फेज और 230V से 480V तक के विकल्पों में उपलब्ध है। AMX सीरीज का निर्माण सीजी की मंडीदीप, मध्य प्रदेश स्थित सुविधा में किया जाता है। इस लॉन्च के बारे में बात करते हुए, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड के ग्रुप सीईओ और प्रबंध निदेशक, अमर कौल ने कहा, आज उद्योग ऐसे ड्राइव्स की तलाश में हैं जो सिर्फ मोटर चलाने से आगे बढ़कर काम करें। उन्हें ऐसी इन-बिल्ट इंटेलिजेंस की जरूरत है, जो प्लांट टीमों को परफॉर्मेंस की निगरानी करने, डाउनटाइम को कम करने और ऑपरेशंस को कुशलता से जारी रखने में मदद करे।

मैजिकब्रिक्स के हाउसिंग सेंटीमेंट इंडेक्स 2026 अनुसार, होमबायर सेंटीमेंट में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 40% हुई, 2025 में यह 18% थी

मुंबई। भारत के आवासीय रियल एस्टेट बाजार में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ रही है और पिछले एक वर्ष में होमबायर्स के सेंटीमेंट में उनकी हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मैजिकब्रिक्स का हाउसिंग सेंटीमेंट इंडेक्स (HSI) 2026 के अनुसार, प्लेटफॉर्म पर दर्ज किए गए कुल होमबायर सेंटीमेंट में महिलाओं की हिस्सेदारी 40% रही, जो HSI 2025 में 18% थी। यह बदलाव महिलाओं में स्वतंत्र रूप से प्रॉपर्टी की रिसर्च, मूल्यांकन और खरीद संबंधी निर्णय लेने की बढ़ती प्रवृत्ति को दशार्ता है। अच्छी तरह से प्रबंधित गेटेड कम्युनिटीज में अपार्टमेंट्स अब भी पसंदीदा विकल्प बने हुए हैं, जहां सुरक्षा, कनेक्टिविटी, सुविधाएं और कम्युनिटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रमुख विचारों के रूप में उभर रहे हैं। वहीं, अधिक जगह, निजता और दीर्घकालिक मूल्य की तलाश कर रहे खरीदारों के बीच प्लॉटेड डेवलपमेंट्स और स्वतंत्र घरों में भी रुचि बढ़ रही है। घर खरीदने की प्रक्रिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, जिससे महिलाएं फिजिकल विजिट करने से पहले प्रॉपर्टी, कीमतों, लोकेशन, सुविधाओं और डेवलपर की विश्वसनीयता की तुलना कर पा रही हैं। मैजिकब्रिक्स हाउसिंग सेंटीमेंट इंडेक्स (HSI) 2026 के अनुसार, 3 BHK घरों के लिए सेंटीमेंट 124 से बढ़कर 4 BHK घरों के लिए 131 और 4+ BHK घरों के लिए 128 रहा है, जो बेहतर लाइफस्टाइल सुविधाओं वाले बड़े और प्रीमियम घरों की बढ़ती पसंद को दशार्ता है। बेंगलुरु, मुंबई/एमएमआर, दिल्ली-एनसीआर, पुणे, हैदराबाद और चेन्नई में मांग मजबूत बनी हुई है। वहीं, बेहतर कीमत और कनेक्टिविटी की तलाश कर रहे खरीदारों के बीच उभरते माइक्रो-मार्केट्स को भी बढ़ती पसंद मिल रही है। मैजिकब्रिक्स के Q2 2026 Q2 2026 PropIndex में भी अफोर्डेबिलिटी के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया गया है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, पुणे और कोलकाता जैसे बाजारों में वैल्यू-ड्रिवन कॉरिडोर को बढ़ती लोकप्रियता मिल रही है। यह बदलाव महिलाओं के बीच प्रीमियम हाउसिंग, निमार्णाधीन प्रॉपर्टीज और कमर्शियल रियल एस्टेट में बढ़ती रुचि में भी दिखाई दे रहा है। इससे संकेत मिलता है कि बाजार में महिलाओं की भूमिका केवल खुद के इस्तेमाल के लिए घर खरीदने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका दायरा बढ़ रहा है। तेजी से, रियल एस्टेट को केवल घर के रूप में ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण के संभावित माध्यम के रूप में भी देखा जा रहा है।

पंजाब नैशनल बैंक ने ओरिएंटल इंश्योरेंस के कर्मचारियों को वेतन पैकेज लाभ प्रदान करने हेतु समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

मुंबई। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक पंजाब नैशनल बैंक ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (ओआईसीएल) के साथ 20 अगस्त 2026 को वेतन पैकेज लाभ के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। पीएनबी द्वारा ओआईसीएल के सभी सेवारत कर्मचारियों को विस्तारित बीमा कवरेज, बैंकिंग सुविधाएँ, रिटेल ऋणों पर रियायती दरें तथा अन्य लाभों सहित सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराई जा रही है। ओआईसीएल की ओर से संजय जोशी (सीएमडी), सुश्री के. सावित्री (महाप्रबंधक), सुश्री अरुणा आनंद (महाप्रबंधक), जसविंदर सिंह (महाप्रबंधक), राजीव कुमार अग्रवाल (महाप्रबंधक) तथा रोहित सिंघल (एक्चुअरी) तथा पंजाब नैशनल बैंक की ओर से अशोक चंद्र (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी), राजेश भौमिक (मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, दिल्ली), संजीव भारद्वाज, महाप्रबंधक (बीए एवं आरएम), दीपक कुमार, महाप्रबंधक (जनसम्पर्क एवं क्रेडिट कार्ड) तथा आलोक जैन (मंडल प्रमुख, दक्षिण दिल्ली) की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। समझौता ज्ञापन पर ओआईसीएल की ओर से छोटू राम, महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं एस्टेट) तथा पंजाब नैशनल बैंक की

ओर से सुधीर दलाल, मुख्य महाप्रबंधक (बीए एवं आरएम) ने हस्ताक्षर किए। इस प्रस्ताव के अंतर्गत ओआईसीएल के कर्मचारियों और उनके परिवारों को व्यापक बीमा सुरक्षा और अनेक सुविधाओं के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा एवं विवाह से संबंधित विशेष बीमा कवर शामिल हैं। इसके प्रमुख लाभों में लॉकर के किराए में छूट, वेतन से संबद्ध ओवरड्राफ्ट सुविधा, शून्य शेषराशि वाले पारिवारिक खाते, आवश्यक बैंकिंग सेवाओं पर अतिरिक्त लाभ तथा गृह, शिक्षा और वाहन ऋणों के प्रसंस्करण एवं दस्तावेजीकरण शुल्क पर रियायत प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त, कर्मचारी हॉस्पिकैश लाभ, पारिवारिक बैंकिंग सुविधाएँ तथा निःशुल्क क्रेडिट कार्ड सहित कई मूल्यवर्धित लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक ने कहा, कि इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर दोनों अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संगठनों के बीच संबंधों को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह साझेदारी ओआईसीएल के कर्मचारियों को बेहतर मूल्य और बैंकिंग सेवाओं की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध कराने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह समझौता ज्ञापन पारंपरिक वेतन खाता संबंधों से आगे बढ़कर व्यापक बैंकिंग सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा तथा कर्मचारियों और उनके परिवारों को विभिन्न अनुकूलित वित्तीय समाधान एवं मूल्यवर्धित सेवाओं तक पहुँच प्रदान करने में सहायक होगा। संजय जोशी, सीएमडी ओआईसीएल ने साझेदारी के महत्व जोर देते हुए कहा, यह दो विश्वसनीय सार्वजनिक संस्थानों का ऐसा संगम है, जो लोगों को अधिक सुविधा, सुरक्षा और बेहतर सेवा प्रदान करने की साझा प्रतिबद्धता से जुड़े हैं।

रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का पहला स्टूडेंट इनोवेशन प्रोग्राम ग्लोबल स्कॉलर क्वेस्ट भारत में आयोजित

मुंबई। रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने अपने ग्लोबल स्टूडेंट इनोवेशन प्रोग्राम ह्यग्लोबल स्कॉलर क्वेस्ट का पहला इंडिया चैप्टर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। ग्रैंड फिनाले सोफिटेल, इङउ, मुंबई में हुआ। जीतने वाली टीम को 50,000 USD का RIT स्कॉलरशिप पूल और उनके आइडिया को सपोर्ट करने और डेवलप करने के लिए Rs. 1,00,000 का नगद राशि पुरुस्कार के रूप में मिली। छात्रों को उनके शानदार योगदान के लिए तीन राइजिंग स्टार अवॉर्ड भी दिए गए। यह प्रोग्राम नॉमिनेशन के माध्यम से आयोजित हुआ। इसमें जाने-माने क्ङ, कैम्ब्रिज और इंडियन बोर्ड स्कूलों के टैलेंटेड ग्रेड 11 और 12 के छात्रों को एक साथ लाया गया। चार-लेवल वाले इस प्रोग्राम में छात्रों ने परीक्षा में अपने प्रदर्शन के बजाय इस बात पर फोकस किया कि वे समस्या कैसे पहचानते हैं, आइडिया कैसे लाते हैं और समाधान कैसे बनाते हैं। इस प्रोग्राम का पहला चैप्टर मई से अगस्त तक चला और मुंबई में ग्रैंड फिनाले में लाइव प्रस्तुतियों के साथ RIT के नेतृत्व वाली जूरी के सामने समापन हुआ। इस ज्यूरी में कैथलीन बी. डेविस, वीपी, एनरोलमेंट मैनेजमेंट एंड एसोसिएट प्रोवोस्ट, RIT, एलिजाबेथ सुलिवान, एसोसिएट VP, एनरोलमेंट मार्केटिंग एंड ग्लोबल स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव्स, RIT, डैन कोपरड, एङ्कि असिस्टेंट डायरेक्टर, ग्लोबल एनरोलमेंट मैनेजमेंट, RIT, और डॉ. एस. मणियन रामकुमार, डीन, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी, RIT शामिल हैं। TIFR के भौतिक विज्ञानी (फिजिसिस्ट) और क्रिएटर इंटरनेशनल स्कूल के फाउंडर डॉ एम ए रहमान ने कहा, मेंटरशिप सेशन में सबसे होनहार छात्र जरूरी नहीं कि वो हों जो सबसे अच्छे आइडिया के साथ आए हों बल्कि वह होते हैं जो किसी सवाल से कमजोरी सामने आने पर उसे सुलझाने, समस्या पर वापस जाने और अपनी सोच को फिर से बनाने के लिए तैयार रहते हैं। रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एनरोलमेंट मैनेजमेंट की वाइस प्रेसिडेंट और एसोसिएट प्रोवोस्ट कैथलीन बी. डेविस ने कहा, यूनिवर्सिटी आमतौर पर सालों के शैक्षिक मूल्यांकन (एकेडमिक इवैल्यूएशन) के बाद छात्रों से मिलती हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और काबिलियत पहले ही बन चुकी होती है। GSQ हमें छात्रों से पहले मिलने और उनकी काबिलियत का एक अलग पहलू समझने का मौका देता है। रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एनरोलमेंट मार्केटिंग और ग्लोबल स्ट्रेटजिक पहल की एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंटएलिजाबेथ सुलिवन ने कहा, "GSQ सिर्फ. कसी खास दिन सबसे अच्छे आइडिया वाले छात्रों को ढूंढने के बारे में नहीं है। यह समझने के बारे में है कि युवा कैसे सोचते हैं, उन्हें किन सवालों की परवाह है और वे किन समस्याओं को हल करना चाहते हैं। भारत में GSQ शुरू करने का फैसला ग्लोबल हायर एजुकेशन में देश की बढ़ती भूमिका और छात्रों को उनकी पसंद और उम्मीदों के हिसाब से शुरूआती अवस्था में जोड़ने की बढ़ती अहमियत को भी दिखाता है। RIT के लिए यह प्रोग्राम उन पसंदों को एक इंटरनेशनल एकेडमिक और इनोवेशन इकोसिस्टम से जोड़ने के लिए एक प्लेटफॉर्म देता है।

दिल्ली में मेट्रो यात्रियों को सस्टेनेबल लास्ट माइल कनेक्टिविटी देने के लिए भागो मोबिलिटी® ने की साझेदारी

मुंबई। भागो मोबिलिटी® ने होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) और होंडा पावर पैक एनर्जी इंडिया (एचईआईडी) के साथ साझेदारी में आज दिल्ली मेट्रो के यात्रियों के लिए लास्ट माइल इलेक्ट्रिक राइड सर्विस लॉन्च की है। भागोमो® आईराइड पहल के पहले चरण के तहत कंपनी ने दिल्ली के सबसे व्यस्त स्टेशनों में शुमार आईटीओ मेट्रो स्टेशन पर फोकस किया है। इस पहल से सस्टेनेबल लास्ट माइल कनेक्टिविटी को लेकर यात्रियों की लंबे समय से अनुभव की जा रही जरूरत पूरी हो सकेगी। भागोमो® आईराइड की मदद से दिल्ली मेट्रो ट्रेन से उतरने वाले यात्रियों को कुछ ही मिनट में पूरी तरह से चार्ज की गई, टेलीमैटिक्स कनेक्टेड इलेक्ट्रिक टु-व्हीलर मिल सकेगी। इससे उन्हें मेट्रो से उतरकर अपने गंतव्य तक पहुंचने में आसानी होगी। डिजिलॉकर आधारित वेरिफिकेशन के माध्यम से राइडर एवं कम्युटर को भागो एप पर मात्र पांच मिनट में जोड़ लिया जाएगा। इस पहल के तहत सभी गाड़ियां स्वैप की जा सकने वाली बैटरी से चलेंगी। इससे मात्र दो मिनट में बैटरी स्वैप करने से चार्जिंग के कारण घंटों का डाउनटाइम खत्म हो जाएगा। दिल्ली-एनसीआर में करीब 90 स्टेशनों पर 202 बैटरी एक्सचेंजर के माध्यम से बैटरी स्वैप की जा सकेंगी। भागो की योजना डीएमआरसी के साथ मिलकर तय किए गए दिल्ली मेट्रो के छह स्टेशनों पर हब लोकेशन ऑपरेट करने की है। इसमें से आईटीओ हब का संचालन शुरू कर दिया गया है। इस लॉन्चिंग से भागो मोबिलिटी और भारत में होंडा के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत होगी। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) की गाड़ियां, होंडा पावर पैक एनर्जी इंडिया (एचईआईडी) द्वारा संचालित होंडा ई-स्वैप नेटवर्क के माध्यम से एनर्जी और इन दोनों को जोड़ने वाले भागो के प्लेटफॉर्म ने अब भारत के सबसे बड़े शहरी रेल नेटवर्क को अपने साथ जोड़ लिया है।

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में बारिश का स्मार्ट सच, काशी डूबी, दावे तैरे

वाराणसी। काशी में सोमवार की रात आसमान खुला तो मंगलवार को शहर की सांसें अटक गईं। रातभर झमाझम बारिश के बाद मंगलवार को भी दिनभर रुक-रुककर मूसलाधार बारिश होती रही। महज बारिश नहीं हुई, मानो आसमान ने शहर की परीक्षा ले ली। सड़कें नदियां बन गईं, गलियां तालाब में तब्दील हो गईं और नालियों की व्यवस्था देखते-देखते बेनकाब हो गई। 12 घंटे में 119.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

उधर गंगा का रौद्र रूप मंगलवार को भी काशी पर भारी रहा। अधिकांश घाट गंगा में समाए रहे और घाटों की सीढ़ियां पानी के भीतर डूबी रहीं। हालांकि केंद्रीय जल आयोग के राजघाट गेज स्टेशन से मंगलवार शाम छह बजे मिली ताजा रिपोर्ट ने थोड़ी राहत जरूर दी है। गंगा का जलस्तर 68.08 मीटर दर्ज किया गया और इसमें एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की दर से कमी का रुख बना हुआ है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार राजघाट पर गंगा का चेतावनी स्तर 70.262 मीटर, जबकि खतरे का निशान 71.262 मीटर है। मंगलवार शाम छह बजे जलस्तर 68.08 मीटर रहा, यानी पानी चेतावनी स्तर से 2.182 मीटर नीचे और खतरे के निशान से 3.182 मीटर नीचे है। गंगा का उच्चतम बाढ़ स्तर 73.901 मीटर दर्ज है।

काशी के कई हिस्सों में मंगलवार को हालात ऐसे थे कि सड़क और जलभराव के बीच फर्क करना मुश्किल हो गया। लहुराबीर, गोदौलिया, मैदागिन, कबीरचौरा, नई सड़क समेत शहर के तमाम प्रमुख इलाके पानी में डूबे रहे। नई सड़क पर तो बारिश ने मानो सड़क का अस्तित्व ही मिटा दिया। गलियों का हाल इससे भी बदतर रहा। दो-चार प्रमुख सड़कों को छोड़ दें तो शहर की बड़ी आबादी को घुटनों तक पानी से होकर गुजरना पड़ा।

सबसे भयावह तस्वीर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सर सुंदरलाल अस्पताल में दिखाई दी। पूर्वांचल के हजारों मरीजों की उम्मीद का यह सबसे बड़ा चिकित्सा केंद्र मंगलवार को खुद जलभराव की बीमारी से जूझता नजर आया। बीएचयू गेट से अस्पताल परिसर और ओपीडी-इमरजेंसी तक जाने वाले रास्ते पानी में डूबे रहे। कई जगह एक फुट से अधिक पानी भर गया, जिससे स्ट्रेचर और व्हीलचेयर तक ले जाना मुश्किल हो गया। मजबूर तीमारदार

मरीजों को कंधे पर उठाकर पानी के बीच अस्पताल तक ले जाते दिखे।

जिस अस्पताल के दरवाजे पर पूर्वांचल ही नहीं, बिहार, झारखंड और आसपास के राज्यों से हर दिन हजारों मरीज इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं, वहां बारिश के पानी ने व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। मरीज बीमारी से लड़ने अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन उन्हें पहले जलभराव से लड़ना पड़ा। अस्पताल के रास्ते में पानी, पर्ची काउंटर तक पहुंचने में मुश्किल, जांच और दवा लेने में परेशानी—हर कदम पर बारिश मरीज और तीमारदार का इम्तिहान लेती रही।

बारिश का पानी इसलिए भी विकराल हुआ क्योंकि शहर की जलनिकासी व्यवस्था जगह-जगह जवाब दे गई। नालियां और सीवर जाम होने से पानी निकलने के बजाय सड़कों पर फैलता चला गया। कई मोहल्लों में लोगों के घरों और दुकानों के सामने पानी जमा रहा। वाहन पानी चीरते हुए निकलते रहे और पैदल चलने वालों के लिए हर कदम खतरे से खाली नहीं था। मंगलवार को शहर में जहां-जहां जलभराव दिखा, वहां लोगों के निशाने पर नगर निगम रहा। सवाल एक ही था—हर साल बारिश से पहले नालों की सफाई के दावे होते हैं, फिर पहली बड़ी बारिश में काशी तालाब क्यों बन जाती है? काशी जैसी विश्वस्तरीय धार्मिक और पर्यटन नगरी के बीचोंबीच ऐसी तस्वीर सिर्फ जलभराव की नहीं, बल्कि शहरी प्रबंधन की परीक्षा की तस्वीर बन गई। बारिश ने सिर्फ जनजीवन नहीं बिगाड़ा, बल्कि जान भी ले ली। मंडुआडीह थाना क्षेत्र के बाटा मोड़ इंडस्ट्रियल एरिया में पुरानी दीवार गिरने से पति-पत्नी की मौत हो गई। मृतकों की पहचान रवींद्र और उनकी पत्नी प्रतिभा के रूप में बताई जा रही है। दोनों बिहार के रहने वाले बताए गए हैं। दीवार गिरने की सूचना मिलते ही मंडुआडीह प्रभारी निरीक्षक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। यह हादसा एक बार फिर सवाल छोड़ गया—बारिश और बाढ़ के मौसम में जर्जर इमारतों और पुरानी दीवारों को लेकर प्रशासनिक निगरानी आखिर कितनी प्रभावी है?

उधर, गंगा का रौद्र रूप भी काशी को घेरे हुए है। घाटों की सीढ़ियां जलमग्न हैं और गंगा का पानी घाटों को अपने आगोश में ले चुका है। काशी की जिस पहचान को दुनिया तस्वीरों में देखती है, मंगलवार को वही पहचान पानी के भीतर नजर आई। दशाश्वमेध से लेकर मणिकर्णिका तक घाटों का स्वरूप बदल गया है। गंगा का पानी ऊपर चढ़ने से घाटों का संपर्क और सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। मणिकर्णिका क्षेत्र में भी बारिश और गंगा के बढ़े जलस्तर ने मुश्किलें बढ़ा दीं।